Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-03 01-15 फरवरी, 2023 (पाक्षिक) ₹20

'इस वर्ष होने वाले सभी विधानसभा चुनावों को जीतने की तैयारी करें'

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, नई दिल्ली

'गरीब कल्याण - हमारा संकल्प'

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल बढ़ाया

जी-20 से स्थापित होगा भारतीय वैशिष्ट्य

एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर (नई दिल्ली) में 16–17 जनवरी, 2023 को आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का दृश्य

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 16 जनवरी, 2023 को आयोजित राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी.एल. संतोष

अगरतला में 12 जनवरी, 2023 को एक रोड शो के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा एवं त्रिपुरा भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेतागण

गांधीनगर (गुजरात) में 15 जनवरी, 2023 को 'प्लास्टिक मुक्त गांव अभियान' की शुरुआत करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

सिंधागी (कर्नाटक) में 21 जनवरी, 2023 को 'विजय संकल्प अभियान' रैली को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 'इस वर्ष होनेवाले सभी विधानसभा चुनावों को जीतने की तैयारी करें'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने प्रेरक संबोधन में पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सभी पड़ावों को पार करने और नौ राज्यों में होने वाले चुनावों को जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भाजपा...

28 प्रधानमंत्री ने अग्निवीरों के पहले बैच को किया संबोधित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीनों सेवाओं...

28 दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज 'एमवी गंगा विलास' का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वाराणसी में दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज 'एमवी...

33 आपकी आवाज भारत की आवाज है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 जनवरी को 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन 2023' के उद्घाटन सत्र में अपना उद्घाटन...

34 रोजगार मेले के तहत 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित

गत 20 जनवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए...

वैचारिकी

सामूहिकता का भाव / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 24

श्रद्धांजलि

राम कृपाल सिन्हा नहीं रहे 25

लेख

जी-20 से स्थापित होगा भारतीय वैशिष्ट्य / **शिवप्रकाश** 30

अन्य

दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदीजी का भव्य रोड शो 07
भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल बढ़ाया 08
भारत और भारतीयता के ध्वजवाहक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन 09
मोदी सरकार में गरीबों के 'अधिकार से सशक्तीकरण' की ओर बढ़ते कदम 13
'गरीब कल्याण': 'डबल इंजन' राजग सरकारों की अटूट निष्ठा का विषय 17
भारत की जी20 अध्यक्षता पूरे देश के लिए गौरव का अवसर 21
दो-तिहाई बहुमत का लक्ष्य साधना है: नरेन्द्र मोदी 23
भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक संपन्न 27
भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आयोजित 27
मोदी स्टोरी 31
कमल पुष्प 31
रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य के भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मिली मंजूरी 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

21वीं सदी का यह दशक भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर के कायाकल्प का दशक है। देशवासी आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की वो तस्वीर देखने जा रहे हैं, जिसकी कल्पना तक मुश्किल थी।

(13 जनवरी, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता गरीब कल्याण व अंत्योदय के लिए संकल्पित है।

(16 जनवरी, 2023)

अमित शाह

लोकतांत्रिक देश में 'सुशासन' प्रगति की कुंजी है, सुशासन के बिना संविधान की भावनाओं को नीचे तक पहुंचाना असंभव है। देश में एक समान विकास डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर लेवल पर सुशासन को आत्मसात करने के बाद ही हो सकता।

(17 जनवरी, 2023)

राजनाथ सिंह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के अध्यक्षीय कार्यकाल को विस्तार दिए जाने से निश्चित रूप से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा संगठन को और अधिक मज़बूती और सफलता प्राप्त होगी। श्रीमान नड्डाजी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

(18 जनवरी, 2023)

बी.एल. संतोष

हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का कार्यकाल भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से जून, 2024 तक बढ़ा दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में करोड़ों कार्यकर्ता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

(18 जनवरी, 2023)

डॉ. के. लक्ष्मण

दिसंबर, 2022 तक 22 राज्यों और 03 केंद्रशासित प्रदेशों की 1,260 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म पर एकीकृत किया गया है, जिसके बाद सामूहिक रूप में लगभग 2.33 लाख करोड़ रुपये का व्यापार दर्ज किया गया है।

(7 जनवरी, 2023)

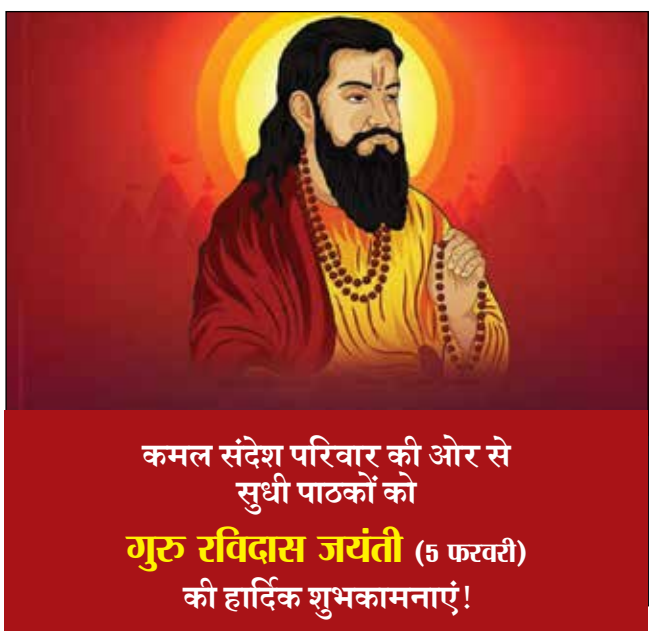

संपादकीय

भाजपा का मूलमंत्र 'गरीब कल्याण'

'वसुधैव कुटुंबकम्' के प्राचीन मंत्र को आत्मसात करते हुए 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूँचर' के उद्घोष के साथ जब भारत आज जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है, 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' के सफलतापूर्वक आयोजन से पूरे विश्व के कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता परिलक्षित हो रही है। लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन से लेकर अफ्रीका, एशिया और यहां तक कि यूरोप के देशों का इस शिखर सम्मेलन में आना दर्शाता है कि इसका 'यूनिटी ऑफ वॉयस, यूनिटी ऑफ पर्पज' का लक्ष्य साकार हो सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 4R- 'रिस्पॉन्ड, रिकॉग्नाइज, रिस्पेक्ट एवं रिफॉर्म' का आह्वान को; उनके 'आपकी आवाज भारत की आवाज है एवं आपकी प्राथमिकताएं भारत की प्राथमिकताएं हैं' के आश्वासन से और अधिक बल मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व में भारत विश्व भर में एक नई आशा की किरण बनकर उभरा है, जिस पर विभिन्न देश संकट के समय विश्वास कर सकते हैं। ऐसा केवल कोविड वैश्विक महामारी के दौरान नहीं हुआ, जब कई देश विभिन्न प्रकार की सहायता के लिए भारत की ओर देख रहे थे, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं, युद्ध काल में शांति स्थापना के लिए तथा अन्य वैश्विक संकटों में दूसरे देशों को हर संभव सहायता पहुंचाने में भारत सदैव तत्पर रहा है। आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से लेकर अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष तक भारत की पहल को विश्व भर में स्वीकारा एवं सराहा जा रहा है। भारत ने पूरे विश्व में विश्व शांति, स्थिरता, प्रगति एवं भाईचारा के लिए अपनी प्रतिबद्धता से लोगों के हृदय में एक विशेष स्थान बनाया है।

कोविड वैश्विक महामारी के दौरान 'सेवा ही संगठन' अभियान के अंतर्गत भाजपा कार्यकताओं ने गरीब, जरूरतमंदों एवं कमजोरों की सेवा का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है

'गरीब कल्याण' के संकल्प पर पुनः समर्पित होते हुए भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक ने कई विषय, जिनसे देश में व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हो रहा है, उन पर सार्थक चर्चा की। कोविड वैश्विक महामारी के दौरान जहां 'गरीब कल्याण' कार्यक्रमों से गरीब से गरीब व्यक्ति तक सरकार ने भारी राहत पहुंचाई, वहीं उनका कई योजनाओं के माध्यम से व्यापक सशक्तीकरण भी किया है। गरीब, वंचित, पीड़ित, किसान, मजदूर, कमजोर, महिला एवं युवाओं को सशक्तीकरण की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभाव भारत के अर्थतंत्र की निरंतर होती मजबूती एवं हर क्षेत्र में भारी उपलब्धियों में देखा जा सकता है। एक ओर जहां पूरा विश्व भारत की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनते देख चमत्कृत हो रहा है, वहीं बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे उच्च विकास दर वाली अर्थव्यवस्था बनकर यह संकट भरे समय में एक चमकता सितारा बनकर उभरा है। अर्थव्यवस्था के क्षेत्र की उपलब्धियां अद्भुत तो हैं ही, साथ ही अन्य क्षेत्रों में की गई पहलों से सांस्कृतिक पुनरुत्थान, आत्म गौरव की पुनर्स्थापना एवं भारत की राष्ट्रीय विरासत को सम्मान देने के कार्य से पूरा देश प्रेरित हो रहा है। साथ ही, डबल इंजन की राजग सरकारों द्वारा विभिन्न प्रदेशों में गरीब से गरीब व्यक्ति का सशक्तीकरण हो रहा है। कार्यसमिति बैठक ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत एवं समर्पित नेतृत्व, उनकी दूरदर्शिता एवं दृढ़ संकल्प- जिससे देश नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है, की एक स्वर से प्रशंसा कर उनका आभार व्यक्त किया।

एक ओर जहां करोड़ों भाजपा कार्यकर्ता देश को 'अमृतकाल' में आगे बढ़ाने का संकल्प ले रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का आने वाले दिनों में हर चुनाव जीतने के आह्वान से हर कार्यकर्ता सेवा एवं समर्पण के माध्यम से जनता का विश्वास जीतने को कृत-संकल्पित है। कोविड वैश्विक महामारी के दौरान 'सेवा ही संगठन' अभियान के अंतर्गत भाजपा कार्यकताओं ने गरीब, जरूरतमंदों एवं कमजोरों की सेवा का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। जन-जन की सेवा, गरीब कल्याण के लिए प्रतिबद्धता तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी एवं दृढ़-निश्चयी नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज देशभर में भाजपा को जनता का आशीर्वाद मिल रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि आज, जब भारत 'अमृतकाल' में आगे बढ़ रहा है, 'पंच प्रण' इसका मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का उद्घाटन भाषण

'इस वर्ष होनेवाले सभी विधानसभा चुनावों को जीतने की तैयारी करें'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16 जनवरी, 2023 को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का उद्घाटन किया। उद्घाटन दीप प्रज्वलन और प्रतिनिधियों के स्वागत के साथ हुआ।

इससे पहले, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक भव्य रोड शो में भाग लिया, जो उनके सम्मान में आयोजित किया गया था। श्री नरेन्द्र मोदी के सभा स्थल पर पहुंचने पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने उनका भव्य स्वागत किया। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने इन कार्यक्रमों और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के अध्यक्षीय अभिभाषण पर मीडिया को जानकारी दी।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2023 की चुनावी गतिविधियों और 2024 के आम चुनाव के महत्व पर जोर दिया और पार्टी संगठन से सभी चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। यहां हम अपने सुधी पाठकों के लिए संबोधन की प्रमुख बातें प्रकाशित कर रहे हैं:

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने प्रेरक संबोधन में पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सभी पड़ावों को पार करने और नौ राज्यों में होने वाले चुनावों को जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के संबोधन के बारे में मीडिया से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आगामी प्रदेश चुनावों को 2024 के आम चुनाव के लिए महत्वपूर्ण बताया।

अपने उद्घाटन भाषण में श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि 2023 भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष है क्योंकि इस वर्ष में नौ राज्यों में चुनाव होने हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि पार्टी एक भी चुनाव न हारे।

उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि पार्टी सभी विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करे, जो 2024 के आम चुनाव के लिए महत्वपूर्ण है।

- 2014 और 2019 के आम चुनावों को भारी बहुमत से जीतने वाली भाजपा ने 2024 के चुनावों को और भी बड़े जनादेश के साथ जीतने का लक्ष्य रखा है।
- पार्टी ने अपनी सीटें और वोट शेयर बढ़ाने के लिए 160 लोकसभा क्षेत्रों की पहचान की है जहां उसे बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अपनी गति को तेज करने की जरूरत है। इसके अतिरिक्त देश भर में एक लाख से अधिक बूथों पर अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर योजना बना रही है।
- पार्टी ने 72 हजार बूथों पर संगठन को मजबूत करने का निर्देश जारी किया था।

आज पार्टी कार्यकर्ता 1.30 लाख बूथों को कवर कर चुके हैं।

- श्री नड्डा ने कहा कि गुजरात में भाजपा की जीत असाधारण और ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि गुजरात में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया।
- उन्होंने चुनावी प्रदेशों से गुजरात के पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कार्यों का अनुकरण करने को कहा।
- उन्होंने कहा कि तेलंगाना में हमारे कार्यकर्ता बहुत मेहनत कर रहे हैं। जिस तरह से हमारे कार्यकर्ता प्रयास कर रहे हैं, हम प्रदेश में सरकार बनाने में कामयाब होंगे।
- श्री नड्डा ने वंचितों की चिंता करते हुए कहा कि हम यह सुनिश्चित करना जारी रखेंगे कि हमारी योजनाओं का लाभ 'कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति' तक पहुंचे।
- 13 फरवरी को स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिन्होंने कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति की चिंताओं को दूर करने की बात कही की थी।
- श्री नड्डा के संबोधन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के बढ़ते प्रभाव, इसके बेहतर सूचकांकों और आर्थिक विकास का भी उल्लेख किया गया।
- श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री जी द्वारा दिए गए 'पंच प्रण' के बारे में भी बात की, जिसमें औपनिवेशिक अतीत के निशानों से मुक्ति, भारत की परंपरा पर गर्व करना, विकसित भारत बनाने की प्रतिबद्धता, विविधता में एकता और नागरिकों को राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनाना शामिल है।
- श्री नड्डा ने कुछ उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, मोबाइल उत्पादन की दुनिया में यह दूसरी सबसे बड़ी और कार निर्माण में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि हम आर्थिक विकास के मामले में इंग्लैंड से आगे हैं।
- 'मेड इन इंडिया' आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे रक्षा सौदे पारदर्शी हुए हैं और आयात में काफी गिरावट आई है।
- भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के रक्षा मंत्री ने संसद में कहा था कि हम सीमा पर सड़कें नहीं बनाना चाहते, क्योंकि इससे तनाव पैदा होता है लेकिन आज 3600 किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बन रही हैं।
- उन्होंने 220 करोड़ से अधिक खुराक प्रदान करने वाले कोविड टीकाकरण कार्यक्रम का उदाहरण देते हुए 'न्यू इंडिया' की कार्य-संस्कृति पर भी प्रकाश डाला। ■

भाजपा ने अपनी सीटें और वोट शेयर बढ़ाने के लिए 160 लोकसभा क्षेत्रों की पहचान की है, जहां उसे बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अपनी गति को तेज करने की जरूरत है। इसके अतिरिक्त देश भर में एक लाख से अधिक बूथों पर अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर योजना बना रही है

दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदीजी का भव्य रोड शो

भाजपा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 जनवरी, 2023 को नई दिल्ली में एक भव्य रोड शो में भाग लिया। रोड शो का आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सम्मान में किया गया था, जिसमें हजारों कार्यकर्ताओं और आम जनता ने भाग लिया और श्री मोदी का स्वागत किया।

'भारत माता की जय' और 'मोदी-मोदी' के नारों के साथ मेगा रोड शो ने नई दिल्ली में एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में बैठक स्थल तक लगभग एक किलोमीटर की दूरी तय की। रोड शो के दौरान विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। ■

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल बढ़ाया

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे दिन 17 जनवरी, 2023 को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का कार्यकाल सर्वसम्मति से जून, 2024 तक बढ़ाया गया।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया और राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया। पार्टी के निर्णय की जानकारी देते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व को भाजपा के लिए जनादेश में बदला है। श्री शाह ने कहा, "उनके नेतृत्व में भाजपा को 2024 में एक मजबूत जनादेश मिलेगा और मोदीजी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।"

एनडीएमसी कन्वेंशन हॉल के बाहर 17 जनवरी, 2023 को मीडिया को संबोधित करते हुए श्री शाह ने एक मजबूत संगठन के रूप में भाजपा के विकास के पीछे श्री जगत प्रकाश नड्डा के अथक परिश्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में पार्टी ने अपने आउटरीच कार्यक्रमों को 1,30,000 बूथों तक बढ़ाया है, जहां पार्टी बेहतर स्थिति में नहीं है।

उल्लेखनीय है कि श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 जनवरी, 2020 को भाजपा के राष्ट्रीय

अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और महामारी के समय में भाजपा का नेतृत्व किया और एक कार्यक्रम— 'सेवा ही संगठन' शुरू किया, जिसके तहत देश भर के पार्टी कार्यकर्ता राहत कार्यों में जुट गए और उन्होंने महामारी से प्रभावित लोगों को निःशुल्क राशन वितरित किया। उन्होंने कहा, "श्री नड्डाजी ने भाजपा को जीवंतता के साथ सेवा की अवधारणा से जोड़ा है।"

- केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा ने उनके कार्यकाल के दौरान हुए 120 में से 73 विधानसभा उपचुनाव जीते हैं।
- श्री नड्डा के नेतृत्व में ही भाजपा ने बिहार में अच्छा प्रदर्शन किया और महाराष्ट्र एवं हरियाणा में पुनः सरकार बनाई।
- भाजपा ने असम, मणिपुर, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और गोवा में विधानसभा चुनाव जीते।
- श्री नड्डा के नेतृत्व में पार्टी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व को वोटों में बदला और पार्टी ने गुजरात में 156 विधानसभा सीटें जीतकर रिकॉर्ड जीत दर्ज की।
- पूर्वोत्तर में भी पार्टी मजबूत हुई है।
- भाजपा असम, त्रिपुरा और मणिपुर में सरकार के साथ-साथ मेघालय और नागालैंड में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। ■

अभिनंदन ! अभिनंदन !! अभिनंदन !!!

कमल संदेश परिवार

श्री जगत प्रकाश नड्डा जी

को विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल— भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल जून, 2024 तक बढ़ाए जाने पर बधाई देता है। आपके यशस्वी नेतृत्व में भाजपा नई ऊंचाइयों को छुए और सभी मोर्चों पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करे।

हार्दिक शुभकामनाएं...

राजनीतिक प्रस्ताव

भारत और भारतीयता के ध्वजवाहक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में 16 जनवरी, 2023 को केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस प्रस्ताव का समर्थन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य और कर्नाटक के सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्री गोविंद करजोल ने किया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी देश के विकास को त्वरित गति प्रदान करने वाले, वैश्विक पटल पर भारत और भारतीयता के ध्वजवाहक, वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को सार्थक करने वाले अथक परिश्रमी यशस्वी प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करती है। हम यहां इस प्रस्ताव का पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं:

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में विभिन्न वैश्विक मंचों पर भारत की छवि एक निर्णायक, दूरदर्शी, वैश्विक भविष्य के प्रति सजग प्रहरी और सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित हुई है। कोरोना संकट और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत के सामर्थ्य और क्षमताओं से पूरी दुनिया परिचित हुई है। भारत मानवता की रक्षा तथा पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण की दिशा में विश्व को दिशा देने वाला अग्रणी देश बनकर उभरा है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत को मिली जी-20 और SCO जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठनों की अध्यक्षता ने देश के इतिहास में एक नए अध्याय का सूत्रपात किया है। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी अपने सर्वोच्च नेता और देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय जन-नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कोटि-कोटि अभिनंदन करती है।

विधान सभा चुनाव और उप-चुनाव :

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गरीब-कल्याण की नीतियों और इनोवेटिव विजन से सभी देशवासी इतने दिल की गहराइयों से जुड़े हैं कि 'मोदी मैजिक' से गुजरात में जीत के सारे रिकॉर्ड धाराशायी हो गए। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गुजरात में भाजपा की जीत इतनी प्रचंड थी कि दूसरे नंबर पर रहने वाली पार्टी मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी प्राप्त नहीं कर पाई। विपक्ष की इतनी बुरी हार गुजरात में इससे पहले कभी नहीं हुई। 27 सालों के शासन के बावजूद अब तक के इतिहास में सबसे प्रचंड बहुमत से भाजपा की विजय स्पष्ट कर देती है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की लोकप्रियता कितनी अधिक है और गुजरात की जनता की उनके नेतृत्व में कितनी गहरी आस्था है। 20 साल तक पहले मुख्यमंत्री और अब देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गुजरात सतत, सर्व-स्पर्शी और सर्व समावेशी विकास के बल पर एक Pro-Governance राज्य के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व में भाजपा के लिए अब 'एंटी-इनकम्बेंसी' का शब्द कहीं इस्तेमाल में नहीं आता, बल्कि हर जगह हमारे लिए 'प्रो-इनकम्बेंसी' की बात होती है। अगर नीति सही हो, नेतृत्व अच्छा हो और जनता के लिए काम करने की नीयत हो तो एंटी–इनकंबेंसी शब्द निरर्थक हो जाते हैं। इस पर शोध होना चाहिए कि किस तरह एक गरीब कल्याणकारी सरकार जन–जन के दिलों में अपना स्थान बनाती है और हर बार पहले से अधिक बहुमत के साथ वापसी करती है। 182 सीटों में से 156 सीटों पर जीत आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक परिश्रम, जनता के प्रति समर्पण और विकास से संभव हुआ है। इस शानदार जीत के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कोटि-कोटि अभिनंदन करती है।

गुजरात चुनाव में 53% वोट के साथ 182 में से 156 सीटों पर कमल खिला, जो गुजरात के चुनावी इतिहास में अब तक का सबसे बेजोड़ प्रदर्शन है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वयं आगे बढ़कर एक बूथ कार्यकर्ता की तरह परिश्रम की पराकाष्ठा की। उनके नेतृत्व में सबने पार्टी को आगे और Self को लास्ट में रखते हुए अहर्निश अथक परिश्रम किया, जिसके बल पर गुजरात ने भाजपा की झोली में ऐसी जीत भर दी, जिसे दोहराना किसी और पार्टी के लिए लगभग नामुमकिन सा होगा। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने 'संगठन सर्वोपरि' का संदेश देते हुए इस अभूतपूर्व जीत का मार्ग

प्रशस्त किया। उनके मार्गदर्शन में गुजरात में श्री भूपेंद्र पटेल जी के नेतृत्व में सरकार और श्री सी.आर. पाटिल जी के नेतृत्व में संगठन ने एकजुट होकर इस ऐतिहासिक विजय की पटकथा लिखी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल सहित पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का भी अभिनंदन करती है। साथ ही, भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी गुजरात की महान जनता का भी अभिनंदन करते हुए उन्हें धन्यवाद देती है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गुजरात चुनाव प्रचार अभियान में सहभागिता : गुजरात विधान सभा चुनाव में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पार्टी के एक सच्चे सिपाही की तरह पूरे चुनाव प्रचार अभियान में आगे बढ़कर पार्टी का नेतृत्व किया और गुजरात में लगभग 32 रैलियां की और 4 रोड शो किये। उन्होंने अपनी रैलियों और रोड शो से प्रचार अभियान के पूरे माहौल को ही बदल दिया। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने अहमदाबाद में 50 किमी लंबा सबसे बड़ा रोड शो भी किया जो अहमदाबाद की सभी विधानसभाओं की ओर से गुजरी। जब इस बार गुजरात विधान सभा चुनाव का बिगुल बजा तो बहुत तरह की दुविधा थी, शंका थी कि भाजपा को कैसी विजय मिलेगी लेकिन जैसे ही आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने गुजरात में प्रवास प्रारम्भ किया तो भाजपा के पक्ष में एक जबरदस्त लहर बनी। कार्यकर्ताओं ने विश्वास की इस सुनामी को मतों में परिवर्तित कर दिया।

गुजरात में भाजपा को मिला हर वर्ग के लोगों का समर्थन : गुजरात की आरक्षित 40 सीटों में से 34 सीटों पर भाजपा को भव्य विजय मिली। इसमें आदिवासी इलाके की 27 में से 23 सीटें भाजपा के खाते में गई जबकि एससी के लिए आरक्षित 13 सीटों में 11 सीटों पर भाजपा विजयी हुई। यहां यह ध्यान देने की बात है कि 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को आदिवासी इलाके की 27 में से केवल 8 सीटें मिली थी जबकि एससी के लिए आरक्षित 13 सीटों में भी हमें केवल 7 सीटें ही मिल पाई थी। दूसरे नंबर पर रहने वाली पार्टी से लगभग दोगुने वोट भाजपा को मिले। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा को पहली बार किसी राज्य में 86% सीटें मिली। सौराष्ट्र में भाजपा ने अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। पिछली बार भाजपा ने सौराष्ट्र-कच्छ रीजन में 23 और कांग्रेस ने 30 सीट जीती थीं। इस बार भाजपा ने रिकॉर्ड 46 सीट जीती हैं। उत्तर गुजरात में भी बीजेपी ने 32 में से 22 सीटें अपने नाम की हैं। ग्रामीण इलाकों की 98 सीटों में भाजपा ने 79 सीटों पर जीत दर्ज की। गुजरात में विधानसभा की 53 सीटें शहरी इलाकों वाली हैं, इनमें से 49 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। गुजरात की ओबीसी बहुल 75 सीटों में से 64 सीटों पर कमल खिला।

गुजरात में भाजपा को अब तक 50% से अधिक वोट प्राप्त नहीं हुए थे जबकि इस चुनाव में भाजपा को लगभग 53.33 प्रतिशत वोट हासिल हुआ जो गुजरात में किसी पार्टी को अब तक मिले वोट प्रतिशत के मामले में सबसे अधिक है। लगातार 27 साल तक सरकार में रहने के बावजूद भाजपा के मत प्रतिशत का बढ़ना और 50% से अधिक मत प्राप्त करना बताता है कि गुजरात की जनता के मन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति कितना सम्मान और उनके नेतृत्व में कितनी अटूट आस्था है। भाजपा को अहमदाबाद की 21 की 19 सीटें और सूरत की सभी 16 सीटें भाजपा की झोली में आई। इसके साथ ही अमरेली, भरूच, खेड़ा, राजकोट, वलसाड, गांधी नगर, छोटा उदयपुर, दाहोद, कच्छ, मोरबी, पंचमहल, सुरेंद्रनगर द्वारका में भी सभी की सभी विधान सभा सीटों पर कमल खिला। वड़ोदरा में 10 में से 9 सीटें भाजपा की झोली में आई। पिछली बार भाजपा को 49% मत प्राप्त हुए थे जो इस बार 3% से भी अधिक बढ़ा।

जैसे ही आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने गुजरात में प्रवास प्रारम्भ किया तो भाजपा के पक्ष में एक जबरदस्त लहर बनी। कार्यकर्ताओं ने विश्वास की इस सुनामी को मतों में परिवर्तित कर दिया

ऐसा भी नहीं है कि भाजपा के उम्मीदवार थोड़े-बहुत अंतर से विजयी हुए। हमारे कई उम्मीदवारों ने एक लाख, 75 हजार, 50 हजार, 40 हजार के बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। एक लाख से जीत का अंतर तो लोक सभा चुनाव में भी बड़ा मायने रखता है लेकिन विधानसभा चुनाव में भी हमारे 11 सीटों में 1 लाख से ज्यादा, 40 सीटों में 50 हजार से 1 लाख के बीच वोटों से प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। गुजरात में भाजपा के कार्यों विशेषकर शांति, विकास, सुरक्षा, 24 घंटे बिजली, हर घर पानी, सांप्रदायिक सद्भाव और शिक्षा के नए आयामों - सब को गुजरात की जनता ने हृदय से स्वीकार किया और हमें आशीर्वाद दिया।

विपक्ष की नकारात्मक राजनीति की करारी हार : गुजरात की जनता ने भाजपा को लगातार 7वीं बार सेवा का अवसर दिया है। ये मत प्रतिशत लोगों के भरोसे का प्रतीक है। जनता ने बड़े-बड़े दावे करने वाले विज्ञापनवादियो के हौसले पस्त कर दिए। जो लोग 'अंडर करेंट' की बात करते थे और जो मीडिया में लिख-लिख कर बहुमत के दावे करते थे, परिणाम आने के बाद स्पष्ट हो गया कि गुजरात ऐसे मतलबी, अहंकारी और झूठ की राजनीति करने वालों का भरोसा नहीं करती। गुजरात में भाजपा की शानदार विजय विकास की जीत और विज्ञापन की हार है। गुजरात चुनाव में विपक्ष ने संकीर्ण मानसिकता का परिचय देते हुए हृदय सम्राट यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया। इसे गुजराती भला कैसे बर्दाश्त कर सकते थे। उन्होंने विधानसभा चुनाव में ऐसी पार्टियों और ऐसे लोगों को लोकतांत्रिक तरीके से करारा सबक सिखाया।

गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम से देशभर के भाजपा के कार्यकर्ताओं में नया जोश, नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ है। यह देश के राजनीतिक चित्र को परिवर्तित करने वाली विजय है। गुजरात में भाजपा की इस शानदार जीत का सकारात्मक असर देश में आने वाले विधान सभाओं के चुनाव और 2024 के लोक सभा चुनाव पर पड़ने वाला है। गुजरात विधानसभा चुनाव के परिणामों ने भाजपा के राजनीतिक आत्मविश्वास को और मजबूत किया है।

भाजपा की यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी इस भव्य विजय का नेतृत्व करने के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करती है। इस शानदार विजय हेतु यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का भी हार्दिक अभिनंदन करती है।

गुजरात के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी विधान सभा हुए थे। हालांकि हर बार बड़े वोट प्रतिशत के मार्जिन से हार-जीत होती थी लेकिन इस बार हार-जीत का अंतर एक प्रतिशत वोट से भी कम रहा। इससे पहले भाजपा ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भी शानदार और अभूतपूर्व बहुमत से सरकार बनाई थी।

विधानसभा चुनाव के साथ-साथ आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीट पर हुए उप-चुनावों में भी भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। यह जीत कई मायनों में अभूतपूर्व है क्योंकि ये दोनों सीट भाजपा की परम्परागत सीट नहीं है और भाजपा यहां पर कभी भी जीत दर्ज नहीं कर पाई थी। इसलिए यह जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार की व्यापक स्तर पर स्वीकृति और समर्थन को दर्शाती है। रामपुर विधानसभा उप-चुनाव में भी भाजपा ने कमल खिलाया। यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी इस रिकॉर्ड ब्रेकिंग जीत के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और उनकी अगुआई में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व के लिए उनका हार्दिक अभिनंदन करती है। साथ ही, उन्हें विश्वास भी दिलाती है कि भारतीय जनता पार्टी और हमारी सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना जारी रखेगी।

गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम से देशभर के भाजपा के कार्यकर्ताओं में नया जोश, नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ है। यह देश के राजनीतिक चित्र को परिवर्तित करने वाली विजय है

आगामी चुनावों में विजय का संकल्प : इस साल 9 राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड, कर्नाटक, मिजोरम, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधान सभा चुनाव होने वाले हैं। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, त्रिपुरा और नागालैंड में हमारी गरीब कल्याणकारी और विकासोन्मुखी सरकार है। हम अपनी सरकारों के विकास कार्य और संगठन की मजबूती के बल पर इन राज्यों में बड़ी जीत की ओर अग्रसर हैं। जनता राजस्थान और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार और तेलंगाना की बीआरएस सरकार से त्रस्त है। यहां महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं, गरीब लोगों की सुनवाई नहीं हो रही है और अपराध एवं भ्रष्टाचार ने इन प्रदेशों को जकड़ लिया है। जनता यहां परिवर्तन का मन बना चुकी है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर के राज्य भाजपा के गढ़ बने हैं। यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी विश्वास व्यक्त करती है कि भाजपा इन सभी प्रदेशों में जनता के आशीर्वाद से पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी।

काशी तमिल संगमम : 19 नवंबर] 2022 को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भगवान् शिव की नगरी काशी में 'काशी तमिल संगमम' का उद्घाटन किया था जिसका 16 दिसंबर को समापन हुआ। यह भारत के गौरवपूर्ण सांस्कृतिक विरासत से देशवासियों का परिचय कराने की यात्रा की शुरुआत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी इस आयोजन के जरिये संस्कृति और सभ्यता के दो कालजयी केन्द्रों के 'संगमम' के सहारे देश के एकता की डोर को और मजबूत करने में लगे हैं। यह हमारी प्राचीन संस्कृति के आदान-प्रदान और पुरातन परंपरा को जोड़ने का अद्भुत प्रयास है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को चरितार्थ करने वाला है। यह एक ऐसा प्रयास है जो भाजपा को अन्य राजनीतिक पार्टियों से अलग करती है। राजनीति से इतर भी देश को एक सूत्र में पिरोने का संकल्प भाजपा की पहचान है। इस अभिनव आयोजन और दो पुरातन संस्कृतियों के समागम के माध्यम से देश के दोनों भागों को एक करने के इस सार्थक प्रयास के लिए यह कार्यकारिणी अपने कर्मयोगी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करती है।

हर घर तिरंगा : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की एक अपील देशवासियों के लिए जन आंदोलन बन जाती है। इसका एक और प्रमाण तब मिला जब उन्होंने 22 जुलाई, 2022 को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सभी लोगों से अपने-अपने घरों या प्रतिष्ठानों पर 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा फहराने की अपील की। इस अभियान ने पूरे राष्ट्र को उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक एकजुट कर दिया। इस अपील का लोगों पर जोरदार असर हुआ और लोगों ने अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपने-अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराया। इससे जहां देशभर में लोगों के मन में देश प्रेम की अलख जगी, वहीं अर्थव्यवस्था को भी जबरदस्त फायदा हुआ। तिरंगा निर्माण में सबसे अधिक योगदान MSME सेक्टर का रहा। तिरंगा की मांग को पूरा करने के लिए दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, ओडिशा, बिहार, राजस्थान आदि के कपड़ा व्यापारियों ने अथक मेहनत की और इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। लोगों तक तिरंगा झंडा पहुंचाने के लिए डाक विभाग और जनवितरण प्रणाली की भी मदद ली गई। मोदी सरकार

ने कम से कम 20 करोड़ झंडे लगाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन देश की जनता ने 25 से 30 करोड़ तिरंगे फहराए। राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत इस अभिनव प्रयोग के लिए यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करती है।

विपक्ष की झूठी राजनीति जनता की अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में हुई खारिज : विपक्ष ने हमारे प्रधानमंत्री जी को झूठी दलीलों में घेरने की ने काफी कोशिशें कीं लेकिन हर बार इन्हें मुंह की खानी पड़ी। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर पुलवामा तक, पाकिस्तान से लेकर चाइना तक हर बार विपक्ष के मुद्दों की हवा निकली। जनता की अदालत में तो वे हारे ही, पिछले कुछ महीनों में विपक्ष को कई अहम मामलों में सुप्रीम कोर्ट से भी बुरी तरह शिकस्त झेलना पड़ा। मनगढ़ंत आरोपों की उम्र बहुत लंबी नहीं होती। गुजरात दंगा मामले में 20 साल से आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को बदनाम करने के लिए एक सघन अभियान चलाया गया और हमारे सर्वोच्च नेता 'नीलकंठ' की तरह इस अपमान को सहन करते रहे क्योंकि उनका एकमात्र ध्येय राष्ट्र का विकास था। सुप्रीम कोर्ट ने क्लीन चिट देकर इस दुष्प्रचार का अंत किया। चाहे पेगासस मामला हो, राफेल से राजकोष को नुकसान हो, ईडी धनशोधन मामला हो, सेन्ट्रल विस्टा का मामला हो, आर्थिक आधार पर आरक्षण का मामला हो या अब डिमोनेटाइजेशन - हर बार विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट में मुंह की खानी पड़ी है। विपक्ष को इस तरह की राजनीति से बाज आ जाना चाहिए नहीं तो जनता उन्हें कहीं का न छोड़ेगी। कुंदन की तरह तप कर निकले अपने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी हार्दिक अभिनंदन करती है।

चाहे पेगासस मामला हो, राफेल से राजकोष को नुकसान हो, ईडी धनशोधन मामला हो, सेन्ट्रल विस्टा का मामला हो, आर्थिक आधार पर आरक्षण का मामला हो या अब डिमोनेटाईजेशन - हर बार विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट में मुंह की खानी पड़ी है

मन की बात : आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिये प्रेरक और अद्भुत बातें करते हैं जिससे देशवासियों के हौसले बढ़ते हैं। प्रधानमंत्री जी जिस सरल तरीके से 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों के अनोखे कारनामे से लेकर देश की उपलब्धियों का बखान करते हैं वह देशवासियों के हृदय को स्पर्श कर जाती है। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह देश की जनता का कार्यक्रम है और आज तक इस मंच पर कोई भी राजनीतिक बात नहीं हुई है। अप्रैल, 2023 में इस लोकप्रिय कार्यक्रम का 100वां संस्करण प्रसारित होगा। हमें पूरे मनोयोग से इसे अविस्मरणीय बनाना है।

बाल दिवस : आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 9 जनवरी, 2022 को दशम पिता गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के दिन 26 दिसंबर को उनके महान बलिदानी पुत्रों— साहिबजादे बाबा वीर जोरावर सिंह जी और बाबा वीर फतेह सिंह जी की शहादत की स्मृति में 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की थी। 26 दिसंबर को यह पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। ये बताता है कि महान सिख धर्म के प्रति आदरणीय प्रधानमंत्री जी कितनी गहरी आस्था है। सिख समुदाय के लिए जितना कार्य हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है, उतना आज तक किसी ने भी नहीं किया। हमें अपने प्रधानमंत्री पर गर्व है।

विश्व पटल पर भारत की बढ़ी साख : आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्णायक नेतृत्व के बल पर भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई ऐसी उपलब्धियां हासिल कीं हैं, जिनसे हर भारतीय का मस्तक गर्व से ऊंचा किया है। एक ही साल में जी20, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् और शंघाई सहयोग संगठन जैसे तीन-तीन बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों की अध्यक्षता मिलना बताता है कि भारत ने अपनी ताकत का लोहा पूरी दुनिया को मनवा दिया है। यही नहीं इसी साल नामीबिया से चीते लाकर, अंतरिक्ष के क्षेत्र में छलांग लगाकर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन कर भारत ने दुनियाभर के देशों को चमत्कृत कर दिया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत की दूरदर्शिता की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। हमने पूरी दुनिया को शांति का मार्ग दिखाया है। देश हित में सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता – आजादी के बाद पहली बार हमारी इस तरह की निर्णायक विदेश नीति बनी है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की विदेश नीति में 'वसुधैव कुटुंबकम्' की अवधारणा को चरितार्थ किया है। 'अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' उन्हीं की पहल पर मनाया जा रहा है जब वे कहते हैं कि 'यह समय युद्ध' का नहीं है, तो पूरी दुनिया इसकी मुक्त कंठ से सराहना करती है। वे संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधारों की बात करते हैं, आतंकवाद को लेकर दुनिया को आगाह करते हैं, जलवायु परिवर्तन को लेकर एकराय बनाते हैं और हर जगह भारत की विविधता, भारत की महान सांस्कृतिक एकता और वैश्विक एकजुटता की बात करते हैं। वे सही मायनों में भारत के 'True Brand Ambassador' हैं। जी-7 के हर सम्मेलन में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को बुलाया जाता है। आज भारत क्वाड, शंघाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स जैसे संगठनों का हिस्सा है। वे यूं ही नहीं दुनिया के सबसे लोकप्रिय जन-नेता हैं। (यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कोटि-कोटि अभिनंदन करती है।)

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी देश के विकास को त्वरित गति प्रदान करने वाले, वैश्विक पटल पर भारत और भारतीयता के ध्वजवाहक, वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा को सार्थक करने वाले अथक परिश्रमी यशस्वी प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करती है। ■

सामाजिक–आर्थिक संकल्प

मोदी सरकार में गरीबों के 'अधिकार से सशक्तीकरण' की ओर बढ़ते कदम

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के दूसरे दिन भारत को पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए एक सामाजिक-आर्थिक संकल्प भी पारित किया गया। इस प्रस्ताव को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रस्तुत किया, जिसका समर्थन केंद्रीय मंत्री श्री वी. मुरलीधरन एवं हरियाणा से भाजपा सांसद श्रीमती सुनीता दुग्गल ने किया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी भारत के इस अमृत काल@2047 के दौरान लोगों को सशक्त बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने और जनता की समृद्धि, नागरिकों की समानता और सभी के लिए न्याय के साथ एक नया भारत बनाने के अपने प्रयास में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को समर्थन और मजबूती देने का संकल्प लेती है। हम यहां इस प्रस्ताव का पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं:

समानता, गरिमा, सम्मान और समावेशिता के सिद्धांत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति, स्थिरता और आर्थिक विकास के एक मरु-उद्यान के रूप में उभरा है। दुनिया भर में बढ़ती असमानता एक बड़ी चिंता का कारण बनकर उभरी है, जो उचित और जन-समर्थक सरकारी नीतियों के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की मांग करती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी और समावेशी नेतृत्व और भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा में निहित केंद्र सरकार की जनोन्मुखी नीतियों के कारण आज भारत इन धाराओं के विपरीत खड़ा है।

कोविड-19 चुनौती का प्रभावी प्रबंधन

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में कोविड-19 महामारी के कुशल और प्रभावी प्रबंधन को वैश्विक मंचों पर सराहना मिली है। भारत ने कोविड-19 वैक्सीन की 219.33 करोड़ टीके लगाये हैं। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहज समन्वय और साझेदारी के कारण भारत ने सफलतापूर्वक स्वदेशी टीके विकसित किए और दुनिया में अग्रणी टीका निर्माता के रूप में उभरा। भारत ने 101 देशों को 23.9 करोड़ खुराकों का निर्यात भी किया।

'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' अप्रैल, 2020 में उन लोगों की मदद के लिए शुरू की गई थी, जिनका जीवन कोविड के कारण प्रभावित हुआ था। इसके तहत प्रति व्यक्ति 5 किलो चावल या गेहूं और 1 किलो दाल प्रदान करके 80 करोड़ लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कवर किया गया है। इसने गरीबों और कमजोर लोगों को खाद्य सुरक्षा प्रदान की है।

आर्थिक मोर्चे पर वापसी

विवेकपूर्ण राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों एवं महामारी के कुशल प्रबंधन के परिणामस्वरूप भारत को त्वरित आर्थिक वापसी करने का अवसर मिला है। जी20 अर्थव्यवस्थाओं में भारत की आर्थिक वृद्धि सबसे अधिक है। विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2023 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.9 प्रतिशत से बढ़ने का अनुमान लगाया है। भारत 2014 में दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने से अब पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। भारत मात्र 8 साल में पांच स्थान ऊपर चढ़कर 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब दशक की शुरुआत से पहले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 2014 में 2.6 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 3.5 प्रतिशत हो गई है।

आजादी का अमृत महोत्सव

भारत की आजादी के 75वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए मार्च, 2021 में 'आजादी का अमृत महोत्सव' शुरू किया गया था। इसने देश के गुमनाम नायकों के योगदान पर प्रकाश डाला। यह पहली बार है जब किसी सरकार ने समाज के सभी वर्गों के गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी है और उनकी वीरता और बलिदान की गाथाओं को मुख्यधारा में लाया गया है। आजादी का अमृत महोत्सव इतिहास और बौद्धिक स्थलों को उपनिवेशवाद की छाया से मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सांस्कृतिक पुनरुद्धार

पिछले आठ वर्षों के दौरान हमने एक अभूतपूर्व सांस्कृतिक पुनरुद्धार देखाः

- अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण पूरी गति से चल रहा है।
- काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर ने भारत की सांस्कृतिक राजधानी को पुनर्जीवित किया है।
- सोमनाथ में विकास कार्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।
- हिमालय में केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण।
- केदारनाथ-बद्रीनाथ तीर्थ क्षेत्र का सतत विकास किया जा रहा है।
- पहली बार चार धाम को बारहमासी सड़कों से जोड़ा जाएगा।
- करतारपुर साहिब कॉरिडोर को सफलतापूर्वक श्रद्धालुओं के लिए खोला गया।
- हेमकुंड साहिब और गिरनार को रोपवे से जुड़ा गया है।
- उज्जैन में भव्य 'महाकाल लोक' का उद्घाटन हुआ, जो हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति का केंद्र बिंदु रहा है और भारत की भव्यता के एक नए युग का सूत्रपात कर रहा है।
- प्रसाद योजना के तहत बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया गया है।
- मोढेरा, गुजरात में सूर्य मंदिर में हेरिटेज लाइटिंग और अन्य सुविधाओं का उद्घाटन किया गया।
- मां महाकाली शक्ति पीठ और जैन विरासत के लिए प्रसिद्ध गुजरात के पावागढ़ में अब उन्नत सुविधाएं हैं।
- स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना देश भर की आध्यात्मिक चेतना को पुनर्स्थापित कर रही है।
- भारत विदेशों से कई मूर्तियों और पवित्र एवं सांस्कृतिक कलाकृतियों को सफलतापूर्वक वापस लाया है।
- राजपथ का नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' किया गया है और इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा की स्थापना औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त और एक गौरवशाली भविष्य की ओर प्रयास करने वाले नए भारत का एक साहसिक कदम है।

सभी को न्याय किसी से भेदभाव नहीं

भारत की विकास गाथा में मध्यम वर्ग का योगदान बहुत अधिक है। मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने के लिए कई पहल की गई है।

जीएसटी — 'वन नेशन, वन टैक्स' की शुरुआत से लोगों को करों के जटिल जाल से मुक्ति मिली और करों के व्यापक प्रभाव से राहत मिली है। इसने ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार किया है। देश ने जीएसटी संग्रह में 22.6 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की। कैलेंडर वर्ष 2022 में कुल एकत्र जीएसटी कैलेंडर ईयर 2021 के 14.31 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 17.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। तीन वर्षों में यह वृद्धि कैलेंडर वर्ष 2019 में एकत्र 12.15 लाख करोड़ रुपये से 44.4 प्रतिशत की वृद्धि है।

हार्ट स्टेंट और अन्य इम्प्लांट्स की कीमतों में कमी — हार्ट स्टेंट अब 85 प्रतिशत तक सस्ते हो गये हैं, जिससे मरीजों की 46,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इसके अलावा, घुटने के प्रत्यारोपण की लागत में 69 प्रतिशत की कमी से जनता के 1500 करोड़ रुपये की बचत हुई है।

जन औषधि केंद्र के माध्यम से सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं — देश भर में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने के लिए 5,000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले गए हैं। इन केंद्रों पर 800 से अधिक दवाएं बेहद कम कीमत पर उपलब्ध हैं।

मध्यम वर्ग के लिए सुलभ हुई हवाई यात्रा — उड़ान योजना के तहत हवाई यात्रा सुगम हो गई है। उड़ानें अब कई घरेलू गंतव्यों के लिए उपलब्ध हैं और देश भर में बड़े पैमाने पर हवाई बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है।

मुद्रा योजना के तहत ऋण की स्वीकृति — 16 करोड़ से अधिक गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को 7 लाख 74 हजार करोड़ रुपये से अधिक के ऋण स्वीकृत किए गए हैं।

पेंशन — केंद्र सरकार ने न्यूनतम पेंशन 3,500 रुपये से बढ़ाकर 9000 रुपये प्रति माह कर दी है, जिससे लाखों पेंशनरों को लाभ हुआ है। सरकार ने एनपीएस टियर-I के तहत कवर किए गए अपने कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनिवार्य योगदान को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है। 01 जनवरी, 2016 से पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नए वेतनमान के साथ पेंशन दी जा रही है। इसके साथ ही इस तिथि से पहले या बाद में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए जो विसंगतियां पैदा हुई थीं, उन्हें अब दूर कर दिया गया है।

ग्रेच्युटी — ग्रेच्युटी की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई है। इससे कर्मचारियों को रिटायरमेंट पर ज्यादा पैसा मिलेगा।

आवास ऋण के लिए प्रोत्साहन — आवास ऋण पर अधिकतम कर कटौती को 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया गया है, जबकि आयकर की धारा 80 के तहत आवास ऋण की सीमा एक लाख से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये की गई है।

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना — इस योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों की जमा राशि को गिरती ब्याज दरों से बचाने की पहल की गई है। उन्हें दस वर्ष के लिए आठ प्रतिशत की दर से ब्याज देना सुनिश्चित किया गया है। अगर ब्याज दर 8 फीसदी से नीचे आती है तो सरकार इस अंतर को वहन करेगी।

वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष — केंद्र सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष की स्थापना की गई है, जिसके तहत दस वर्ष से अधिक के जीवन बीमा की बिना दावे की राशि को वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष में स्थानांतरित किया जाएगा।

जीवन प्रमाण पत्र अब ऑनलाइन — वरिष्ठ नागरिकों को अपनी पेंशन जारी रखने के लिए हर साल जीवन प्रमाण पत्र देना पड़ता है और इसमें देरी के कारण कई मुश्किलें होती हैं। सरकार की नई पहल से यह जीवन प्रमाण पत्र किसी भी शाखा में या ऑनलाइन बनवाया जा सकता है।

किसानों को समर्थन

कृषि को टिकाऊ, लाभकारी और जलवायु के अनुकूल बनाने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) सस्ती फसल बीमा प्रदान करती है; प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) सिंचाई सुविधाओं में सुधार का समर्थन करती है; परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई), जैविक खेती का समर्थन करती है; नाबार्ड सूक्ष्म सिंचाई के लिए सहायता प्रदान करता है जिससे जल संरक्षण में मदद मिलती है; किसान क्रेडिट कार्ड किसानों की मदद करता हैं; पीएम-कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान) 2 मेगावाट बिजली संयंत्रों और सौर ऊर्जा से चलने वाले कृषि पंपों की स्थापना में मदद करता है और ई-एनएएम किसानों के लिए कृषि उत्पादों की बेहतर प्राप्ति के लिए मौजूदा कृषि मंडियों को जोड़ता है। भाजपा कृषि अर्थव्यवस्था के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

महामारी के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1.70 लाख करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण (पीएमजीकेवाई) योजना और 20 लाख करोड़ रुपए के आत्मनिर्भर भारत अभियान (पीएमजीकेवाई सहित) की शुरुआत की

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक प्रतिमान बदलाव है जो कई अन्य विकासों के बीच मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता की स्थापना, स्थानीय भाषा सीखने को बढ़ावा देने, उच्च शिक्षा के लचीलेपन और बहुमुखी प्रतिभा और निकट एकीकरण कौशल विकास जैसे लंबे समय से लंबित सुधार लाता है।

व्यवसाय के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना: भारत दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में उभरा है। आज का युवा 'जॉब सीकर्स' के बजाय 'जॉब क्रिएटर्स' बनने की आकांक्षा रखता है। भारत वर्तमान में 2021 के 51 यूनिकॉर्न, 32 गजले और 54 चीतों के मुकाबले 84 यूनिकॉर्न, 51 गजले और 71 चीता स्थापित करने में कामयाब हुआ है।

मेक इन इंडिया पहल भारत में वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिए शुरू की गई थी। 25 क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को उदार बनाया गया है। इसने भारत में व्यापार करने में आसानी के मापदंडों में सुधार किया है।

इन्फ्रॉस्ट्रक्चर : भारत माला, सागरमाला, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान), भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क और डिजिटल इंडिया ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में हमारी रैंकिंग में सुधार किया है।

वोकल फॉर लोकल : स्थानीय कौशल और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करेगा और रोजगार और आय सृजन में मदद करेगा।

स्टार्ट-अप और 'इन्क्यूबेशन केंद्रों' की स्थापना के लिए मानदंडों को आसान बनाकर युवा उद्यमियों को मदद की जा रही है। युवा उद्यमियों के लिए कर में छूट एक स्वागत योग्य कदम है।

डिजिटल इंडिया : डिजिटल डिवाइड को पाटने और समावेशी डिजिटलीकरण से दक्षता एवं आर्थिक लाभ की क्षमता को प्राप्त करने के लिए सरकार ने डिजिटल पब्लिक गुड्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में एक सक्रिय भूमिका निभाई है। पूरी तरह से बाजार संचालित डिजिटल बुनियादी ढांचे या राज्य-नियंत्रित डिजिटल बुनियादी ढांचे के विपरीत भारत ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल को अपनाया है, जिसमें सभी नागरिकों के समावेश और सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। मोदी सरकार ने ग्रामीण भारत को जोड़ने और लगभग 650 मिलियन उपयोगकर्ताओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कम लागत वाली इंटरनेट सेवाओं को प्रोत्साहित किया है। 2,74,246 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर से देश की 1.15 लाख ग्राम पंचायतों को जोड़ा गया है।

आत्मनिर्भर भारत : महामारी के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1.70 लाख करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण (पीएमजीकेवाई) योजना और 20 लाख करोड़ रुपए के आत्मनिर्भर भारत अभियान (पीएमजीकेवाई सहित) की शुरुआत की। यह 80 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा, दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों, किसानों और एमएसएमई को आय समर्थन और वित्तीय सहायता सुनिश्चित करता है। 'पीएम स्वनिधि योजना' के तहत 31.9 लाख स्ट्रीट वेंडर्स के लिए ऋण का प्रावधान किया गया है। आत्मनिर्भर भारत का विजन अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, जीवंत जनसांख्यिकी और मांग पर केंद्रित है।

पीएम गति शक्ति योजना: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अक्टूबर, 2021 को 'पीएम गति शक्ति-मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान' का अनावरण किया। यह सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, सार्वजनिक परिवहन और जलमार्गों

सबका साथ सबका विकास

- जनजातीय समुदायों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आदिवासी कल्याण बजट पिछले आठ वर्षों में तीन गुना से अधिक हो गया है।
- जनजातीय छात्रों के लिए विशेष रूप से विकसित एकलव्य मॉडल स्कूलों का बजट 278 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,418 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वहीं, आदिवासी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति के लिए धन आवंटन भी 978 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2,546 करोड़ रुपये कर दिया गया है।
- भाजपा सरकार पिछड़ी और ईडब्ल्यूएस दोनों श्रेणियों को उचित आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है और यह भी सुनिश्चित किया है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों सहित सरकारी क्षेत्र में ओबीसी और एससी/एसटी आरक्षण को सख्ती से लागू किया जाए।
- डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 22.6 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों को हस्तांतरित किए गए हैं।
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना, अटल पेंशन योजना आदि योजनाओं के माध्यम से गरीबों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है।
- जल जीवन मिशन के तहत 6.29 करोड़ घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं।

पर केंद्रित है। यह परियोजनाओं के लागत प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी को एक नई दिशा देगा।

जैसाकि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने उल्लेख किया है कि भारत की कई चुनौतियों का समाधान 'आत्मनिर्भरता' में है। सहकारिता 'आत्मनिर्भर भारत' की ओर बढ़ने का एक बेहतरीन मॉडल है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने देश भर में 'सहकारिता आंदोलन' को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए एक नया मंत्रालय बनाया है। यह किसानों और समाज के अन्य वर्गों को सशक्त बना रहा है, उनकी आय बढ़ा रहा है तथा लोकतांत्रिक निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत कर रहा है।

साथ ही, भारत ने रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में काफी प्रगति की है। स्वदेशी निर्माण और सैन्य हार्डवेयर के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप 2021-22 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 14,000 करोड़ रुपये रहा है। सरकार की यह पहल रोजगार सृजित करने के साथ बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज के माध्यम से संबंधित उद्योगों को प्रोत्साहित करेगा।

गरीबों के उत्थान की नीतियां 'भारत रत्न' बाबा साहब भीमराव राम जी अम्बेडकर से भी बड़ी प्रेरणा लेती हैं। उनकी विरासत का सम्मान करने के लिए भाजपा सरकार ने उनके जीवन से जुड़े पांच प्रमुख स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है— महू में अम्बेडकर जी का जन्मस्थान, लंदन में वह स्थान जहां वे पढ़ाई के दौरान रहे; नागपुर में दीक्षा स्थल— जहां उन्होंने शिक्षा ग्रहण की; दिल्ली में महापरिनिर्वाण स्थल और मुंबई में चैत्य भूमि। ये भारतीयों की आने वाली पीढ़ी को समानता, न्याय और बंधुत्व के लिए प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकारें और स्थानीय निकाय दोहरे इंजन के विकास के लाभों को पहचानते हैं, जिसमें लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को तेज गति से साकार किया जाता है

2023 में भारत को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने का सम्मान प्राप्त हुआ है। यह भारत को महत्वपूर्ण मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय संवाद को आकार देने और समाधान-उन्मुख कार्य योजना का नेतृत्व करने का अवसर प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के समावेशी और जनोन्मुखी शासन ने जनता का लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास मजबूत किया है। पिछले आठ वर्षों में भारत में लोकतांत्रिक भागीदारी गहरी हुई है, जिसका युवा नेतृत्व कर रहे हैं। भाजपा बिना युद्ध के युग की शुरुआत करने के प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान का समर्थन करती है। युद्ध और संघर्ष विशेष रूप से गरीबों और कमजोरों को नुकसान पहुंचाते हैं। हमारी प्रतिबद्धता खाद्य और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्निर्माण, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सहयोग को बहाल करने, विश्व अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और जनता की सामाजिक आर्थिक गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए होनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकारें और स्थानीय निकाय दोहरे इंजन के विकास के लाभों को पहचानते हैं, जिसमें लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को तेज गति से साकार किया जाता है।

भारतीय जनता पार्टी भारत के इस अमृत काल@2047 के दौरान लोगों को सशक्त बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने और जनता की समृद्धि, नागरिकों की समानता और सभी के लिए न्याय के साथ एक नया भारत बनाने के अपने प्रयास में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को समर्थन और मजबूती देने का संकल्प लेती है। ■

वक्तव्य

'गरीब कल्याण': 'डबल इंजन' राजग सरकारों की अटूट निष्ठा का विषय

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में बिहार विधान परिषद् में भाजपा के नेता श्री सम्राट चौधरी ने "गरीब कल्याण': 'डबल इंजन' राजग सरकारों की अटूट निष्ठा का विषय" पर एक वक्तव्य प्रस्तुत किया। इस वक्तव्य में कहा गया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा-राजग नीत केंद्र सरकार और प्रदेश सरकारों में गरीबों के उत्थान और कमजोर लोगों को सशक्त बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पहल की गई हैं। हम यहां इसका पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं:

'गरीब कल्याण' देश भर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा-राजग नीत केंद्र सरकार और प्रदेश सरकारों की नीतियों और शासन मॉडल का मार्गदर्शक दर्शन है। भाजपा सरकार की जन-समर्थक नीतियां हमारी राष्ट्रवादी विचारधारा में निहित हैं। भारतीय राष्ट्रवाद सामाजिक, धार्मिक, क्षेत्रीय या भाषाई पृष्ठभूमि के बावजूद साझा भविष्य में समावेशिता और विश्वास की नींव पर बनाया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का शासन दर्शन भारतीय राष्ट्रवाद की भावना को व्यक्त करता है: 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास।' भाजपा सरकारों ने इस आदर्श वाक्य को प्रदेश में और जहां भी वे गठबंधन सरकारों में हैं, अपनाया है।

महामारी के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1.70 लाख करोड़ रुपये की 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण' (पीएमजीकेवाई) योजना और 20 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत अभियान (पीएमजीकेवाई सहित) की शुरुआत की। यह 80 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा, दिहाड़ी मजदूरों, किसानों और एमएसएमई को आय समर्थन और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत 31.9 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण का प्रावधान आदि सुनिश्चित किया गया है। सरकार, अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों को महामारी के बाद की दुनिया और त्वरित आर्थिक पुनरुत्थान के लिए तैयार करने के लिए स्पर्श कर रही है। नतीजतन, महामारी और वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण हुए व्यवधान के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में गिरावट जारी है।

जैसे-जैसे भारत अमृत काल में प्रवेश करेगा, हमारी प्रगति की गति और तेज होगी। भाजपा के सुशासन मॉडल का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव समग्र गरीबी में कमी और जीवन स्तर में सुधार रहा है। मुफ्तखोरी की राजनीति, जिसका राजकोषीय स्थिरता पर गंभीर परिणाम होता है, के विपरीत, भाजपा सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य क्षमता निर्माण में सहायता करके सत्ता को सशक्त बनाना है। ऐसी नीतियों के पीछे प्रेरक शक्ति गरीबों को सशक्त बनाना और व्यक्तियों और समुदायों की क्षमता निर्माण करना है।

वे वस्तुनिष्ठ मानदंडों पर आधारित हैं और पर्याप्त प्रावधान द्वारा समर्थित हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाएं गरीबों के लिए किफायती आवास सुनिश्चित करती हैं; 'प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना' घरों को बिजली प्रदान करती है; प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एलपीजी सिलेंडर प्रदान करती है; घरों में पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए 'हर घर जल योजना' या स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य वंचित वर्गों को बेहतर भविष्य प्रदान करने के लिए आवश्यक संसाधन सुनिश्चित करना है।

इसी समय, 16 प्रदेशों में डबल-इंजन वाली राजग सरकारों ने इसी तरह त्वरित विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कई उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। गरीबों के उत्थान और कमजोर लोगों को सशक्त बनाने के लिए डबल-इंजन वाली राजग सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर पहल की गई हैं।

अरुणाचल प्रदेश

ग्राम स्तर पर सरकार के सभी प्रमुख कार्यक्रमों की पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए 'सेवा आपके द्वार 2.0' लॉन्च किया गया है— 12 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए 1000+ शिविर आयोजित किए गए हैं। 'आत्मनिर्भर अरुणाचल प्रदेश' 7,387 से अधिक किसानों और 719 एसएचजी के लाभार्थियों के साथ 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देने वाली एक फ्रंट एंडेड सब्सिडी फ्लैगशिप योजना है। मुख्यमंत्री आरोग्य अरुणाचल योजना स्थानीय नागरिकों और सरकारी कर्मचारियों को सूचीबद्ध अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक की गुणवत्ता और कैशलेस स्वास्थ्य सेवा प्रदान

करती है। युवाओं के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए दीन दयाल उपाध्याय स्वावलंबन योजना शुरू की गई है, जो 526 उद्यमियों को सहायता प्रदान कर रही है और उन्हें नौकरी चाहने वालों से नौकरी प्रदाताओं में परिवर्तित किया है।

असम

असम ने प्रदेश में गरीब परिवारों को प्रति माह 1250 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 'ओरुनोदोई' योजना शुरू की है। इससे 19 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार के लिए असम आरोग्य निधि (एएएन) बीपीएल परिवारों और 10,000/- रुपये से कम मासिक आय वाले परिवारों को सामान्य और विशेष उपचार के लिए 1,50,000 की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। कोविड-19 के कारण अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए मुख्यमंत्री शिशु सेवा योजना भी शुरू की गई है। इसके अलावा, स्वामी विवेकानंद असम युवा अधिकारिता (SVAYEM) योजना असम के युवाओं को विनिर्माण, व्यापार और सेवा क्षेत्र में आय-अर्जक गतिविधियों को शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई है। स्वनिर्भर नारी - आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर असोम योजना भी शुरू की गई है और पहले चरण में लगभग 4 लाख परिवारों को इसका लाभ मिला है।

असम ने प्रदेश में गरीब परिवारों को प्रति माह 1250 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 'ओरुनोदोई' योजना शुरू की है। इससे 19 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं

गोवा

स्वास्थ्य तक पहुंच में सुधार के लिए दीन दयाल स्वास्थ्य सेवा योजना (डीडीएसएसवाई) चार या अधिक सदस्यों वाले परिवार के लिए 4.00 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर प्रदान करने के लिए शुरू की गई है। गृह आधार 1500/- रुपये की मासिक सहायता प्रदान करती है, जो कमजोर परिवारों के जीवन स्तर में सुधार करती है। यह राशि गृहणियों को वितरित की जाती है। लाडली लक्ष्मी योजना पात्र लाभार्थी के बैंक खाते में सीधे वित्तीय सहायता के रूप में 1.0 लाख रुपये जमा करके माता-पिता को उनकी बेटी की शादी में मदद करती है। इसके अलावा, दयानंद सामाजिक सुरक्षा योजना (DSSY) के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों, एकल महिलाओं, विकलांग व्यक्तियों और एचआईवी / एड्स रोगियों को 2500/- रुपये प्रति माह की पेंशन हस्तांतरित की जाती है।

गुजरात

मुख्यमंत्री युवा स्वावलंबन योजना (MYSY) एक छात्रवृत्ति योजना है जो 2,00,000 रुपये या पाठ्यक्रम शुल्क का 50% छात्रवृत्ति प्रदान करती है। यह राशि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए है, जिन्होंने 12 वीं विज्ञान (पीसीबी) में 80 या अधिक पर्सेंटाइल प्राप्त किया हो या जिनकी पारिवारिक आय 6 लाख रुपये प्रति वर्ष से कम हो। गुजरात गंगा स्वरूप योजना एक विधवा पेंशन योजना है जो 1250 रुपये प्रति माह की पेंशन देती है। इस योजना के माध्यम से पूरे गुजरात के 33 जिलों में 3.70 लाख महिलाओं को पेंशन प्रदान की गई है। मां वत्सल्य योजना, मुख्यमंत्री अमृतम योजना का एक विस्तार, इसमें अब निम्न मध्यम वर्ग के परिवारों को शामिल किया गया है जिनको पहले बीमा योजना का लाभ नहीं मिल रहा था, ऐसे परिवारों को प्रति परिवार 3 लाख रुपये का कवरेज प्रदान किया जा रहा है। घरों की छतों पर सौर पैनलों की स्थापना और उपयोग को प्रोत्साहित करने और ऊर्जा के बाहरी स्रोतों पर निर्भरता कम करने के लिए सोलर रूफटॉप योजना शुरू की गई है। इसकी स्थापना के बाद से राज्य में 3,91,830 आवासीय रूफटॉप सौर पैनल सिस्टम स्थापित किए गए हैं।

हरियाणा

हरियाणा सरकार ने समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कई योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है। म्हारा गांव जगमग गांव के तहत 5487 गांवों में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति हो रही है। 'महिला एवं किशोरी सम्मान' के तहत बीपीएल परिवारों की 22.5 लाख महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन प्रदान किए गए हैं, जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत कमजोर आबादी के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए अनुसूचित जाति/विमुक्त और टपरीवास को 80,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। यह योजना सभी के लिए आवास में तेजी लाने में मदद करती है। गरीब कल्याण के सिद्धांत पर- सबसे गरीब का आर्थिक उत्थान, मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना 1 लाख परिवारों को शिक्षा, कौशल विकास आदि जैसे उपायों का एक अनुरूप पैकेज दे रही है और उनकी आय की न्यूनतम सीमा को बढ़ाकर 1.8 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है।

कर्नाटक

अंतिम-मील वितरण के उद्देश्य से जनसेवक योजना 58 सरकारी सेवाएं प्रदान करती है, जैसे प्रमाणन, नागरिकों के दरवाजे पर रियायती दरों पर राशन का सामान जारी करना और अब तक 95000+ आवेदनों का निपटान किया जा चुका है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रों को

2,000 रुपये से 11,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए रायता विद्या निधि छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई थी - अब तक 464.15 करोड़ रुपये की लागत से 10.19 लाख छात्रों को योजना के माध्यम से कवर किया जा चुका है। महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए स्त्री समर्थ योजना शुरू की गई है, जो 5 लाख महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 1.5 लाख रुपये का वित्तीय अनुदान प्रदान करेगी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों में लड़कियों के जन्म को बढ़ावा देने और परिवार और समाज के भीतर उनकी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए, युवाओं के उत्थान के लिए एक ठोस प्रयास के रूप में बाबू जगजीवन राम स्व-रोजगार योजना शुरू की गई है, जिससे 22,400 युवा लाभार्थियों को स्वरोजगार का लाभ मिलता है। इसी तर्ज पर स्वामी विवेकानंद युवशक्ति कार्यक्रम के तहत, 28,000 गांवों में प्रत्येक समूह के लिए 1.5 लाख रुपये के बीज धन के साथ युवाओं का एक स्वयं सहायता समूह बनाया जा रहा है। इसके अलावा, कयाक्स योजना के माध्यम से गांवों में 3.3 लाख पारंपरिक व्यवसाय जैसे बढ़ईगीरी, सिलाई आदि का समर्थन किया जा रहा है।

मणिपुर

मणिपुर ने किसानों को वैध और वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करने और जलवायु जोखिमों के खिलाफ उनकी मदद करने के लिए एक मोबाइल-आधारित कृषि-सलाहकार सेवा 'लौमिसिंगी पाओजेल' शुरू की। प्रदेश अनुदान और पेंशन प्रदान करके अपने वंचितों की देखभाल कर रहा है। मणिपुर ने एक वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की है जो बुजुर्गों, निराश्रित और विधवाओं को प्रति माह 1500 रुपये प्रदान करती है। मुख्यमंत्री शोथाराबासिंगी तेंगबांग (सीएमएसटी) योजना 2 लाख रुपये के बीमा और मुफ्त परिवहन सेवाओं के साथ-साथ विकलांगों को देखभाल करने वाला भत्ता प्रदान करती है। यह पीएम-जेएवाई, पीएम आवास योजना, एसपीएम रूर्बन मिशन, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान जैसी केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के अतिरिक्त है, जो प्रदेश भर में लागू की जा रही हैं।

मध्य प्रदेश

निराश्रितों को पोषण प्रदान करते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने दीन दयाल अंत्योदय रसोई योजना की शुरुआत की, जिसके तहत 100 केंद्र स्थापित किए गए हैं जहां गरीबों को अत्यधिक रियायती दर पर भोजन परोसा जाता है। योजना के तहत 70 लाख से अधिक भोजन परोसे जा चुके है। सरकार ने प्रदेश के अनुसूचित जनजाति युवाओं को वित्तीय सहायता और स्वरोजगार के अधिक अवसर प्रदान करने के लिए 'भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना', 'टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना' और 'मुख्यमंत्री अनुसूचित जनजाति विशेष परियोजना वित्तपोषण योजना' जैसी कई योजनाएं शुरू कीं। वहीं, मुख्यमंत्री कौशल संवर्धन योजना ने प्रदेश भर में 2.5 लाख से अधिक युवाओं को मुफ्त कौशल विकास प्रदान किया है। साथ ही मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के तहत किसानों को सोलर पंप खरीदने पर 90 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वंचितों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार मिले, एमपी राज्य बीमारी सहायता निधि शुरू की गई है, जिसमें गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों के सदस्यों को 2 लाख रुपये तक की चिकित्सा सहायता दी जाती है।

निराश्रितों को पोषण प्रदान करते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने दीन दयाल अंत्योदय रसोई योजना की शुरुआत की, जिसके तहत 100 केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां गरीबों को अत्यधिक रियायती दर पर भोजन परोसा जाता है

महाराष्ट्र

सभी को गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित करने के लिए दीवाली के समय, एक योजना 'आनंदचा सिद्धा' शुरू की गई थी, जिसमें आवश्यक सामग्री (रवा, चीनी, तेल) से युक्त खाद्य किट मात्र 100 रुपये की रियायती दर पर वितरित की गई थी। समाज के सीमांत वर्गों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पीएचडी करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए दो साल के लिए 35 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। गरीब कल्याण के इसी दर्शन पर संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों को 18,000 रुपये दिए जाते हैं। महाराष्ट्र प्रोत्साहन योजना के तहत पहली बार 16 लाख किसानों को 4700 करोड़ रुपये दिये गये है, यह ऐसे किसान है, जो समय पर अपना अल्पकालिक फसली ऋण चुका रहे हैं। बालिकाओं के सशक्तीकरण के लिए मांझी कन्या भाग्यश्री योजना शुरू की गई, जो 7.5 लाख वार्षिक आय वाले परिवारों में बालिकाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। वहीं अस्मिता योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 1.6 करोड़ सेनेटरी पैड अत्यधिक रियायती मूल्य पर बेचे गए हैं। महाराष्ट्र को सूखा मुक्त प्रदेश बनाने के उद्देश्य से जलयुक्त शिवर अभियान नामक एक बहुत लोकप्रिय जल संरक्षण योजना शुरू की गई थी जो ग्रामीणों और किसानों को उनके भरण-पोषण के लिए अत्यधिक मदद करेगी।

नागालैंड

सीएम स्वास्थ्य बीमा योजना (सीएमएचआईएस) पूरी आबादी को कवर करने के लिए शुरू की गई थी, जिससे नागालैंड को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज से लैस किया जा सके। प्रदेश

जल जीवन मिशन को युद्धस्तर पर चला रहा है और 2023 तक अपने सभी 3.8 लाख ग्रामीण परिवारों को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करेगा। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में निवेश बढ़ाकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए सीएम माइक्रो फाइनेंस इनिशिएटिव (सीएमएमएफआई) शुरू किया गया था। यह पहले वर्ष में 1500+ उद्यमियों के लिए अवसर पैदा कर रहा है। पीएम ग्राम सड़क योजना सीमावर्ती गांवों सहित प्रदेश के दूरदराज के हिस्सों में कनेक्टिविटी में सुधार कर रही है। इसके अलावा, निवासियों को पक्का घर उपलब्ध कराने के लिए पीएम आवास योजना और किफायती किराया आवासीय विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

पुदुचेरी

बेघर गरीबों के लिए पेरुन्थलाइवर कामराजार आवास योजना (2 लाख रुपए तक की सब्सिडी) और लोगों को घर उपलब्ध कराने के लिए भूमि अधिग्रहण और विकास योजना शुरू की गई है। रोजगार सृजित करने और कौशल उन्नयन के लिए कारीगरों/राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। इससे शौचालय वाले घरों की संख्या में लगभग 100% की वृद्धि हुई है। झुग्गीवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए शहरी मलिन बस्तियों में पर्यावरण सुधार किए जा रहे हैं। शहरी परिदृश्य को बदलने, पर्यटन को बढ़ावा देने और रोजगार सृजित करने के लिए सरकार द्वारा केंद्रीय योजना अमृत का बहुत अच्छा उपयोग किया जा रहा है। सभी के लिए आवास सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा पीएम आवास योजना को तेजी से लागू किया जा रहा है। स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत, 822.64 करोड़ रुपये की लागत से 105 परियोजनाएं शुरू की गयी है, इससे कनेक्टिविटी, परिवहन, कानून व्यवस्था और शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है।

उ.प्र. में भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल में 2 लाख से अधिक हस्तशिल्प पुरुषों, कामगारों और छोटे व्यापारियों को 16,000 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है

त्रिपुरा

त्रिपुरा में 50 प्रतिशत से अधिक आबादी कृषि अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। राजग सरकार के तहत पिछले 5 वर्षों में किसानों की औसत आय में 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चाय बागान के श्रमिकों के लिए 'मुख्यमंत्री चा श्रमी कल्याण प्रकल्प' का शुभारंभ किया गया। पहली बार सरकार ने भूमिहीन स्थानीय नागरिकों के लिए भूमि अधिकारों के सीमांकन के लिए बन अधिकार ऐप लॉच किया। इसके माध्यम से 1.2 लाख नागरिकों को भूमि का पट्टा प्रदान करने में मदद मिली है। त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की संख्या 38,000 से बढ़कर 3.45 लाख से अधिक हो गई। उन्हें वित्तीय संस्थानों से जोड़कर गरीब परिवारों के लिए वित्तीय स्थिरता के नए द्वार खोल दिए। इस योजना ने उन्हें एकीकृत सामाजिक सुरक्षा कवरेज के तहत लाया है, जिससे आवास, राशन और वित्तीय सहायता सुनिश्चित हुई। 75 प्रतिशत महिला लाभार्थियों के साथ इस योजना ने चाय बागान श्रमिकों के 7000+ परिवारों को लाभान्वित किया है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ने राजग सरकार के वर्तमान कार्यकाल में 34,528 से अधिक रोजगार सृजन किये हैं।

उत्तराखंड

उत्तराखंड में लगभग 75 प्रतिशत से अधिक आबादी कृषि गतिविधियों पर निर्भर करती है। दीन दयाल उपाध्याय किसान सहकारी कल्याण योजना छोटे और सीमांत किसानों और कृषि समूहों के लिए 5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करती है। इसके अलावा, स्व-रोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार 25 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करती है। बड़े ऋणों में 15-20 प्रतिशत और नैनो श्रेणी के ऋणों में 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी के साथ, इसका उद्देश्य प्रदेश के भीतर और अन्य प्रदेशों में पलायन करने वाले पहाड़ी क्षेत्रों से युवाओं को रोकना है। भौगोलिक रूप से कठिन इलाके में सरकार ने हेली एम्बुलेंस योजना भी शुरू की है। इसमें गरीब लोगों के लिए निःशुल्क सेवाओं का प्रावधान है और यह आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड से भी जुड़ा हुआ है। प्रदेश सरकार 1,84,000 अंत्योदय कार्ड धारकों को एक वर्ष में तीन निःशुल्क गैस सिलेंडर उपलब्ध करा रही है। दूर-दराज के हिस्सों में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने हाल ही में राजस्व पुलिस की प्रणाली को समाप्त कर दिया और प्रदेश में नियमित पुलिस प्रणाली के चरणबद्ध कार्यान्वयन को अधिसूचित किया।

उत्तर प्रदेश

एमएसएमई सेक्टर में सरकार ने 100 दिन में 10 हजार युवाओं को रोजगार दिया। इसके अलावा, भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल में 2 लाख से अधिक हस्तशिल्प पुरुषों, कामगारों और छोटे व्यापारियों को 16,000 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है। गन्ना किसानों को दिसंबर, 2022 तक रिकॉर्ड 1.84 लाख करोड़ रुपये समर्थन मूल्य का भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना के अंतर्गत काम के दौरान मृत्यु/विकलांगता पर 5 लाख रुपए का मुआवजा। साथ ही वे सभी नागरिक जिनके पास बेहिसाब पैसा है, वे अपनी अघोषित आय को गरीब कल्याण योजना में जमा करा सकते हैं - इसका उपयोग गरीबों और वंचितों के उत्थान के लिए किया जा रहा है। साथ ही, बीपीएल परिवारों के लिए

शेष पृष्ठ ११ पर...

भारत की जी20 अध्यक्षता पर वक्तव्य

भारत की जी20 अध्यक्षता पूरे देश के लिए गौरव का अवसर

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में केंद्रीय विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर ने भारत की जी-20 अध्यक्षता पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। इस वक्तव्य में कहा गया है कि भारत का अपनी अध्यक्षता ग्रहण करना न केवल राष्ट्रीय गौरव का विषय है, बल्कि वैश्विक उद्देश्यों को आकार देने में मदद करने का एक अवसर है। हम इस वक्तव्य का संपादित पाठ यहां प्रकाशित कर रहे हैं:

- G20 एक अनूठा मंच है जो 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80%, वैश्विक व्यापार का 75% और वैश्विक आबादी का 60% हिस्सा है। 2008 से अंतरराष्ट्रीय निर्णय लेने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारत का अपनी अध्यक्षता ग्रहण करना न केवल राष्ट्रीय गौरव का विषय है, बल्कि वैश्विक उद्देश्यों को आकार देने में मदद करने का एक अवसर है।
- UN, IMF, WHO आदि जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन भी G20 बैठकों में भाग लेंगे। वर्तमान अध्यक्षता के रूप में भारत ने 9 अन्य देशों को अपने अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। पूरे वर्ष में लगभग 200 बैठकों में कुल मिलाकर 43 प्रतिनिधिमंडल भाग लेंगे। हम भारत में प्रतिनिधियों का दिल से स्वागत करते हैं और कामना करते हैं की उनका दौरा सुखद रहे और वह यादों को संजोकर ले जाए।
- प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि भारत की G20 अध्यक्षता पूरे देश की है और यह दुनिया के सामने इसके विकास, ताकत और विविधता को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर है। इसलिए लगभग 200 बैठकें 50 से अधिक शहरों में पूरे देश में होंगी।
- भारत की G20 अध्यक्षता पूरे देश के लिए गौरव का अवसर है और सभी को इसकी सफलता सुनिश्चित करनी चाहिए। नागरिकों के रूप में, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम भारत को उसकी विरासत, संस्कृति और सभ्यता के अनुरूप दुनिया के सामने पेश करें।
- भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' या 'One Earth, One Family, One Future' को अपनी G20 अध्यक्षता थीम के रूप में लिया है। इसका संदेश यह है कि आर्थिक विकास, सतत विकास, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और महामारी जैसी प्रमुख वैश्विक चुनौतियों को केवल सहयोग के माध्यम से ही प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सकता है।

भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' या 'One Earth, One Family, One Future' को अपनी G20 अध्यक्षता थीम के रूप में लिया है। इसका संदेश यह है कि आर्थिक विकास, सतत विकास, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और महामारी जैसी प्रमुख वैश्विक चुनौतियों को केवल सहयोग के माध्यम से ही प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सकता है

- इसकी अध्यक्षता के दौरान प्रतिनिधियों और राजनयिकों सहित बड़ी संख्या में विदेशी अतिथि भारत आएंगे, यह पर्यटन को बढ़ावा देने और हमारे स्थानीय उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है। ऐसे सभी स्थान जहां G20 बैठकें आयोजित की जाएंगी, ऐसे कार्यक्रम देखने को मिलेंगे जो स्थानीय संस्कृति, भोजन, विरासत और नृत्य और संगीत के संपर्क को अधिकतम करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। हमें जो दृष्टिकोण अपनाना चाहिए वह 'अतिथि देवो भव' की हमारी परंपरा के अनुरूप होना चाहिए।
- साथ ही, विदेशी आगंतुक हमारी अर्थव्यवस्था और समाज के परिवर्तन को भी देखेंगे जो एक नए भारत की ओर हमारी यात्रा का हिस्सा है। विशेष रूप से, हमारी डिजिटल डिलीवरी, हरित विकास, सतत विकास, प्रौद्योगिकी विकास और मानव-केंद्रित शासन उनकी रुचि और ध्यान के विषय होंगे।
- नए भारत के पथप्रदर्शक होने के नाते, छात्र और युवा इस अवसर के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक दूत हैं। जैसाकि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से लोग भारतीय राज्यों का दौरा करते हैं, युवाओं को अपने संबंधित राज्यों की प्रस्तुति के संबंध में पहल करनी चाहिए।
- G20 अध्यक्षता विभिन्न स्वरूपों में नागरिक समाज को जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रस्तुत करता है। इसमें विभिन्न श्रेणियों जैसे महिला 20, विज्ञान 20, सिविल 20, थिंक टैंक 20, स्टार्टअप 20, श्रमिक 20, शहरी

20 और युवा 20 के तहत कार्यक्रम शामिल हैं। इन आयोजनों से संबंधित कई सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनियां विभिन्न स्थानों पर लगाई जा सकती हैं, जिनमें पिछले 8 वर्षों में सरकार के कार्यों का प्रदर्शन किया जाए।

- सामूहिक निर्णय लेने की सबसे पुरानी ज्ञात परंपराओं के साथ भारत अपने G20 अध्यक्षता के दौरान विविध हितधारकों को एक साथ लाने और वैश्विक चुनौतियों को हल करने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आम सहमति बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। भारत को सही मायने में 'लोकतंत्र की जननी' कहा जा सकता है।
- चूंकि G20 मुख्य रूप से विकसित राष्ट्रों से बना है, इसलिए भारत पर ग्लोबल साउथ की आवाज बनने की भी जिम्मेदारी है। ऋण और आर्थिक सुधार के साथ-साथ ऊर्जा, खाद्य और उर्वरक सुरक्षा के बारे में उनकी चिंताएं गंभीर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'Voice of the Global South' समिट प्रक्रिया बुलाई जिसमें 120 से अधिक देशों को उनके विचारों और हितों का पता लगाने के लिए शामिल किया गया।
- भारत की पहल पर वर्ष 2023 को 'International Year of Millets' के रूप में मनाया जाएगा। यह सभी G20 आयोजनों में हमारे अपने बाजरा व्यंजनों को शामिल करने में परिलक्षित होगा।
- G20 हमें 'Make in India' और 'Vocal For Local' जैसी विकासात्मक पहलों को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। विभिन्न बैठकों के लिए उपहार 'One District One Product' पहल से प्राप्त किए जाएंगे।
- सभी गतिविधियों को व्यक्तिगत और सामाजिक क्षमताओं में आयोजित किया जाना चाहिए। जी20 के बारे में समाज को बड़े पैमाने पर अवगत किया जाना चाहिए और 'न्यू इंडिया' दिखाने और अवसरों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। ■

पृष्ठ १० का शेष...

भाग्य लक्ष्मी योजना शुरू की गई है, जिसके तहत नवजात कन्या की मां को 5100 रुपये का बांड और 50,000 रुपये दिये जाते हैं। दीन दयाल सुरक्षा बीमा योजना के तहत सभी भूमिहीन खेत श्रमिकों को बिना किसी प्रीमियम राशि के 2 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज मिलता है। कोविड के दौरान आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए भाजपा सरकार ने 23 लाख दिहाड़ी मजदूरों के बैंक खातों में 230 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए।

जैसाकि डबल इंजन वाली राजग सरकार की उपरोक्त पहलों से देखा जा सकता है, 'गरीब-कल्याण', पार्टी की आधारशिला है। आज हम जनता और सरकार के बीच संबंध में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देख रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 'संरक्षण' की राजनीति से हटकर 'विकास' की राजनीति की ओर बढ़ रहा है। सरकारी नीतियों को लागू करने में भारत की मुख्य चुनौतियों में यह रही है कि स्थानीय प्रभावशाली व्यक्ति जाति और पहचान के आधार पर नीतियों को प्रभावित करते आये हैं, लेकिन भाजपा सरकारों ने इस रवैये को रोकने में सफलता हासिल की है।

आवास, बिजली या गैस सिलेंडर जैसी सार्वजनिक वस्तुओं और सेवाओं की अभूतपूर्व डिलीवरी, आधार और डीबीटी जैसी प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से मुद्रा और जन धन योजना जैसे वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों के अलावा सामाजिक सुरक्षा कवरेज और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सुनिश्चित किया गया है। लाभार्थियों और गरीबों को वह लाभ मिला रहा है, जिसके वे हकदार थे। सार्वजनिक वस्तुओं के इस सार्वभौमिक और प्रत्यक्ष प्रावधान और निजी वस्तुओं के सार्वजनिक प्रावधान ने जमीन पर महत्वपूर्ण बदलाव किये हैं, जिससे प्रदेश और जनता के बीच संबंधों में सकारात्मक बदलाव आया है।

'गरीब कल्याण' की मूल विचारधारा के अनुरूप माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने सही मायने में गरीब और कमजोर एवं अंतिम पंक्ति के नागरिकों को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। ■

'भाजयुमो सीमा ग्राम संपर्क अभियान' का शुभारंभ

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 12 जनवरी, 2023 को पश्चिम त्रिपुरा जिले के कंकामुरा में 'भाजयुमो सीमा ग्राम संपर्क अभियान' का शुभारंभ किया। भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या के नेतृत्व में शुरू किया गया यह अभियान देश के आठ प्रदेशों के 200 से अधिक सीमावर्ती गांवों में चलाया जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए भाजयुमो राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या ने सभी भाजयुमो कार्यकर्ताओं से 'भाजयुमो सीमा ग्राम संपर्क अभियान' को शुरू करने का आह्वान किया। इस अभियान के तहत भाजयुमो कार्यकर्ता सीमावर्ती गांवों में जाएंगे और 3 दिनों तक वहां रहकर स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद करेंगे और उनकी आकांक्षाओं, जीवनशैली और संस्कृति को समझने का प्रयास करेंगे। भाजयुमो कार्यकर्ता केंद्र सरकार के वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) के बारे में निवासियों को जानकारी भी प्रदान करेंगे और मोदी सरकार की इस विकास नीति के कारण उनके दैनिक जीवन में आए बदलावों के बारे में उनकी प्रतिक्रिया लेंगे।

सीमावर्ती गांवों का तेजी से विकास सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' पहल की शुरुआत की है। ■

प्रधानमंत्रीजी का समापन भाषण

दो-तिहाई बहुमत का लक्ष्य साधना है: नरेन्द्र मोदी

भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 16-17 जनवरी, 2023 को नई दिल्ली में संपन्न हुई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों को बताया कि अपने समापन और प्रेरणादायी संबोधन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से चुनावी परिणाम की चिंता किये बिना समाज के हर वर्ग, विशेष तौर पर अल्पसंख्यक समाज जैसे बोहरा, पसमांदा और सिख तक पहुंचने का आह्वान किया। हम अपने सुधी पाठकों के लिए प्रधानमंत्रीजी के भाषण की प्रमुख बातें प्रकाशित कर रहे हैं:

भाजपा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के समापन पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों तक व्यापक पहुंच बनाने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बचे 400 दिनों में सक्रियता से कार्य करने का भी आह्वान किया।

भाजपा प्रतिनिधियों को यह याद दिलाते हुए कि 2024 के लोकसभा चुनावों में लगभग 400 दिन शेष हैं, श्री मोदी ने उनसे समाज के हर वर्ग की सेवा पूरे समर्पण के साथ करने को कहा। प्रधानमंत्रीजी ने कहा कि भारत का सबसे अच्छा युग आ रहा है और पार्टी को खुद को देश के विकास के लिए समर्पित करना चाहिए और 2047 तक यानी 'अमृत काल' की 25 वर्षों की अवधि को 'कर्तव्य काल' में बदलना चाहिए।

प्रमुख बिंदु:

- प्रधानमंत्रीजी ने कहा कि भारत का सबसे अच्छा युग आ रहा है और 'हमें इसके विकास के लिए खुद को समर्पित करना चाहिए।'
- भाजपा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को बदलने का काम कर रही है। भाजपा अब केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं है, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन भी है जो सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को बदलने के लिए काम कर रहा है।
- प्रधानमंत्रीजी ने भाजपा नेताओं से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से मिलने और उनसे जुड़ने के लिए विश्वविद्यालयों और चर्चों जैसे स्थानों पर जाने को कहा।
- उन्होंने पार्टी को अति आत्मविश्वास की किसी भी भावना के प्रति आगाह किया और दिग्विजय सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की अलोकप्रियता के बावजूद 1998 में मध्य प्रदेश में भाजपा की हार का उदाहरण दिया।
- प्रधानमंत्रीजी ने सभी समुदायों के समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचने पर जोर दिया। श्री मोदी ने पार्टी को यह भी सलाह दी कि वह अपने विभिन्न मोर्चों के विभिन्न कार्यक्रम विशेष रूप से सीमावर्ती गांवों में आयोजित करे ताकि पार्टी वहां के लोगों से अधिक से अधिक जुड़ सके और यह सुनिश्चित हो सके कि सरकार की विकास योजनाएं उन तक सही से पहुंचे।
- पार्टी को गहरे संपर्क स्थापित करने के लिए श्री मोदी ने पार्टी नेताओं से मुस्लिम अल्पसंख्यकों सहित सभी वर्गों से संपर्क करने की मांग की, इसमें भी विशेष रूप से बोहरा और पसमांदा जैसे हाशिए पर रहने वाले समुदाय के साथ संपर्कों पर जोर दिया जाना चाहिए।

युवा मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित करें

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी से अपना ध्यान युवाओं पर केंद्रित करने को कहा। प्रधानमंत्रीजी ने सुझाव दिया कि 18-25 आयु वर्ग के मतदाताओं को भारत के समकालीन राजनीतिक इतिहास और पिछली सरकारों के 'कुशासन और भ्रष्टाचार' से अवगत कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं में जागरूकता पैदा करने पर ध्यान दें। उन्हें भाजपा के सुशासन के बारे में बताएं। पार्टी को कुपोषण और ऐसे अन्य मुद्दों से निपटने के लिए समानांतर कार्यक्रम चलाते हुए 'आकांक्षी जिलों' के विकास में भी भूमिका निभानी चाहिए।

विवादों से बचें

प्रधानमंत्रीजी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से विवादों से बचने, सुर्खियों के पीछे भागने के बजाय जमीनी स्तर पर काम करने को कहा।

'धरती बचाओ'

पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए प्रधानमंत्रीजी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि 'बेटी बचाओ' अभियान की तर्ज पर उन्हें 'धरती बचाओ' अभियान शुरू करना होगा। प्रधानमंत्रीजी ने उर्वरकों पर निर्भरता को कम करने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

काशी-तमिल संगमम्

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दोनों क्षेत्रों के बीच प्राचीन आध्यात्मिक संबंधों का उत्सव मनाने के लिए हाल ही में वाराणसी में आयोजित काशी-तमिल संगमम् का उल्लेख किया। उन्होंने पार्टी सदस्यों से विभिन्न संस्कृतियों से जुड़ने को कहा। उन्होंने देश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए अपने जीवन का हर पल समर्पित करने को कहा। अपने प्रेरक भाषण का समापन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "जो संकल्प लेते हैं वही इतिहास रचते हैं। भाजपा को संकल्प लेना होगा और इतिहास भी बनाना होगा।" ■

सामूहिकता का भाव

पं. दीनदयाल उपाध्याय

गतांक से...

हम लोग गणित पढ़ते हैं तो उस गणित में इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार इस प्रकार की गिनती होती है। अगर हम राष्ट्र का विचार लेकर चलें तो गणित की गिनती का यह तरीक़ा बदल जाएगा। वहां एक और एक दो नहीं होते, एक और एक ग्यारह होते हैं। राष्ट्रीयता रही तो उसके आधार पर संगठन का विचार आया तो एक-एक मिलकर ग्यारह, एक सौ ग्यारह, एक हजार एक सौ ग्यारह, ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह, बढ़ते चले जाएंगे। अगर वह राष्ट्रीयता नहीं रही तो आप जानते हैं, दशमलव लगने के बाद फिर एक लगाइए तो उसकी क़ीमत एक की जगह एक बटा दस और एक और एक कर दीजिए तो ग्यारह बटा सौ यानी क़ीमत घटती चली जाएगी। इधर राष्ट्र के समक्ष एक को जितना आप आगे लेते चले जाएंगे, यह उतने गुना आगे बढ़ता चला जाएगा। आगे दस गुना, बीस गुना, सौ गुना, हजार गुना, लाख गुना, करोड़ गुना यानी जिसको 'प्लेस वैल्यू' कहते हैं तो उतना ही उसका महत्त्व होता चला जाएगा और दशमलव को लगाकर फिर आप उसको नापेंगे तो उतना ही कम होता चला जाएगा। जब राष्ट्र के साथ कोई भी व्यक्ति खड़ा होता है, तो व्यक्ति की बड़ी भारी कीमत होती है और एक-एक व्यक्ति की क़ीमत उतने गुना जाकर आगे बढ़ जाती है। देश का राष्ट्रपति एक व्यक्ति है, परंतु कितना बड़ा महत्त्व उसका हो जाता है, क्योंकि वह राष्ट्र का प्रतिनिधि है और अगर दूसरी तरफ राष्ट्र का विचार नहीं रहा तो फिर हम कहां हैं? हिंदुस्तान के पचास करोड़ लोगों में से मैं, एक तो वैसे भी अगर देखेंगे, तो एक बटा पचास करोड़, बल्कि मैं तो कहूंगा कि एक बटा पचास करोड़ भी नहीं, यह दशमलव शून्य से लेकर पचास करोड़ पर ले आइए और वहां आखिर में जाकर के एक दीजिए, उतनी ही शान यानी पचास करोड़ शून्य लगाने के बाद फिर एक इतनी ही शायद आपकी क़ीमत होगी, ज्यादा कोई क़ीमत नहीं। दूसरी तरफ अगर राष्ट्र का विचार लेकर के आप चलेंगे तो पचास करोड़ शून्य लगाने के बाद फिर एक लिखिए, वह जितना मूल्य होगा, जितनी

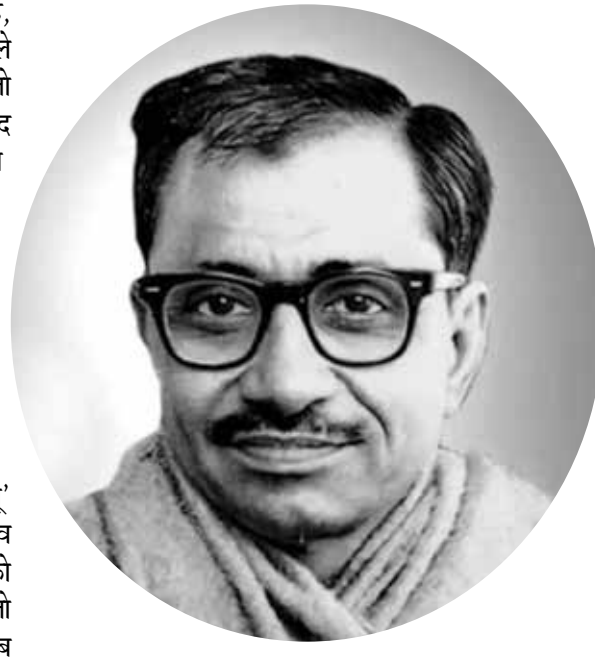

उसकी क़ीमत होगी, उतनी उसकी क़ीमत हो जाएगी, तो यह राष्ट्र नाम की जो चीज़ है, यह अत्यंत महत्त्व की है, उसी में सबका वैभव खड़ा होता है, इस तथ्य को समझें और फिर उसके अनुसार अपना संपूर्ण व्यवहार करें।

यह संस्कार और व्यवहार कैसे करेंगे? यह आदत डालनी पड़ती है और उसमें फिर छोटा-छोटा काम बड़ी-बड़ी बातें इनकी महत्ता समझनी होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बाक़ी के संगठनों का अंतर समझना होगा। संगठन की बात, देश की बात, एकता की बात, सब लोगों ने कही और संघ ने इन बातों को व्यवहार में किया। क्या छोटी सी बात से छोटे-छोटे कार्यक्रम करके बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है? हां, इन्हीं से संस्कार बनते हैं, इसलिए हम लोग संघ स्थान पर आते हैं। हमारे सामने जीवन में रोज़ यह सवाल आता है कि क्या करें? संघ स्थान पर जाएं या आज तो सिनेमा देख लिया जाए। कोई अच्छा सिनेमा आया है तो सिनेमा देखें या संघ स्थान पर जाएं, पर माताजी ने कहा है कि नहीं, नहीं आज तो तू यहीं बैठ जा और मुझे जरा थोड़ी सी रामायण सुना दे और हम माताजी को रामायण सुनाने के लिए बैठें या संघ स्थान पर जाएं, तो दोनों में फिर मेल करना पड़ता है। हर जगह फिर हम कहते हैं कि नहीं, नहीं हम संघ स्थान पर जाएंगे और माताजी को कहते हैं कि नहीं, मैं अभी संघ स्थान से लौटकर आता हूं और फिर देखो तुम्हारे सोते-सोते तुम्हें अच्छी तरह से रामायण सुनाऊंगा। हम प्राथमिकताओं में मेल बैठाना सीखते हैं। इस प्रकार से धीरे-धीरे हमारे मन के अंदर संस्कार आता है। फिर एक-एक काम करते-करते फिर हम अपनी पढ़ाई का निर्णय करते हैं, नौकरी का निर्णय करते हैं। बाक़ी के काम-धंधे का निर्णय करते हैं। कौन सा काम करें, जो देश के लिए लाभदायक होगा, वह काम करें या न करें, रोज यह सवाल आकर सामने खड़े हो जाते हैं।

आदमी अगर इस प्रकार से विचार करता चला जाएगा, तो इसके जीवन में नित्य सिद्धता आएगी। धीरे-धीरे चीज आती है, नहीं तो कई ऐसे लोग निकल आते हैं, कहते हैं कि नहीं-नहीं, चिंता मत करिए, अपने को

राम कृपाल सिन्हा नहीं रहे

श्रद्धांजलि

वरिष्ठ भाजपा नेता श्री राम कृपाल सिन्हा का 15 जनवरी, 2023 को निधन हो गया। वह पूर्व में केंद्र सरकार में राज्य मंत्री और बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे। उन्होंने भाजपा मुख्यालय प्रभारी का दायित्व भी संभाला। वह भाजपा के राष्ट्रीय मुखपत्र 'बीजेपी टुडे' के संपादक भी रहे। श्री सिन्हा ने बिहार के मुजफ्फरपुर शहर से व्याख्याता (लेक्चरर) के रूप में अपनी यात्रा शुरू की। कुछ ही समय बाद उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। 1968 में उन्हें बिहार विधान परिषद् के सदस्य के रूप में चुना गया, जहां उन्होंने 1974 तक अपने दायित्व को निभाया। 1971 में उन्होंने सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) के मुख्यमंत्री श्री कर्पूरी ठाकुर के नेतृत्व वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य किया।

3 अप्रैल, 1974 को उन्हें संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा के सदस्य के रूप में चुना गया और उन्होंने 1980 तक सांसद के तौर पर अपने दायित्व का निर्वहन किया। इस अवधि के दौरान उन्हें श्रम और संसदीय मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई की जनता पार्टी सरकार और 1979 में सरकार के विघटन तक वह इस पद पर रहे। श्री सिन्हा का विवाह श्रीमती मृदुला सिन्हा से हुआ था, जो भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, गोवा की राज्यपाल और हिंदी साहित्य की एक सुप्रसिद्ध लेखिका एवं भाजपा नेता थीं। ■

क्या है, जब मौका आएगा, हम तैयार हैं। बहुत बड़ा वर्ग मिलता है, जो कहता है कि जब मौक़ा आएगा तो हम तैयार हैं। परंतु कठिनाई ऐसी होती है कि मौके की सूचना आपको कौन देगा? बिना अभ्यास के आप क्या करेंगे? जैसे लोग कहते हैं कि आखिरी समय पर भगवान् का स्मरण कर लिया तो एकदम मुक्ति मिल जाती है, परंतु आखिरी समय पर भगवान् का स्मरण? अरे, जिसने जिंदगी भर कोई ध्यान नहीं किया। भगवान् का नाम ही नहीं लिया, भगवान् का स्मरण नहीं किया तो आखिरी समय पर स्मरण कैसे कर लेंगे? सवाल आएगा कि जो छोटी- मोटी बात देश के लिए नहीं कर सकता, वह फिर जान दे देगा? लोग तो कहते हैं कि हमारी जान हाजिर है। तो ऐसे बहुत से लोग मिलते हैं कि जिनके यहां अभी जाओ, अपने यहां लखनऊ में तो यह पद्धति है कि वे कहेंगे, साहब! क्या सेवा करें, जान हाज़िर है। आप उनसे कहो, फलानी-फलानी चीज़ चाहिए। एक बार ऐसा ही हुआ था कि वहां पर, अपना ऐसे जैसे यह शिविर लग रहा है, ऐसे ही शिविर था तो एक सज्जन के यहां गए और उनसे कहा कि देखिए, कुछ टेंट चाहिए। उस ज़माने में तो हम लोग इधर-उधर से मांगकर के ही टेंट इकट्ठा किया करते थे, क्योंकि ठेके-वेके की उस समय कल्पना नहीं थी। उस समय अपनी ग़रीबी की हालत में मांगने के लिए गए थे। बोले, टेंट कुछ थे तो सही मगर पिछले साल मेले पर गए थे, अभी आए नहीं। फिर हमने कहा कि टेंट नहीं हैं तो दरी वगैरह होगी। वही आप दे दीजिए। बोले, दरी तो पता नहीं, वह तो फलानी शादी में गई थी, वहां से अभी लौटकर ही नहीं आई है। और वह फिर बोले कि मेरे लायक कोई सेवा हो तो बताइए। सब आपके लिए हाजिर है। उनसे कहा कि पेट्रोमैक्स वगैरह आपके यहां हैं। बोले कि भाई, पैट्रोमैक्स तो हमारे यहां बिल्कुल है ही नहीं। पैट्रोमैक्स भी नहीं। फिर उनसे कोई चीज़ के लिए कहें, तो वे न कर देते थे। परंतु कहते थे कि आप हुकुम करिए, जो कुछ है आपके लायक सेवा, हम तो आपके ही हैं। ऐसे अपने देश में बहुत मिलते हैं कि जो कहते हैं कि नहीं-नहीं भाई, देश के लिए सबकुछ है। देश के लिए काम करने का मौक़ा आता है तो कहते हैं कि जान हाज़िर है।

सच बात है कि हम छोटा-छोटा काम देश के लिए कैसे करेंगे? इसका संस्कार मन के ऊपर पड़ता रहे। चार लोग मिलकर कैसे करें, यह भी तो कोई सरल बात नहीं है कि चार लोग मिलकर काम कर सकें। इसके लिए भी ट्रेनिंग लेनी पड़ती है। इसके लिए भी मन की तैयारी लगती है। अब हम लोग तो यहां पर जब सामूहिक रोटी होती है, उसमें थोड़ी सी तक़लीफ़ भी होती है। जमीन के ऊपर बैठकर खाइए तो फिर नमक की और शक्कर की कमी जो है, वह भगवान् अपनी पृथ्वी माता भी थोड़ा-बहुत पूरा कर देती है। अब इसकी आदत चाहिए और जिसको आदत नहीं है, वह तो समझता है कि अरे-अरे, कहां आकर बैठ गए और चार लोग, इधर भी कोई बैठा है उधर भी कोई बैठा है, चार लोगों के अंदर बैठ करके बातें बहुत कर सकते हैं। कुछ लोगों को भोजन का मौका आए तो बड़ा बुरा लगता है, कोई सामने बैठा हो और भोजन करें, वे कहते हैं कि नहीं-नहीं, भोजन तो अकेले ही करना चाहिए। कुछ लोग कहते हैं, चार लोग मिलकर कैसे काम कर सकते हैं? चार लोग मिलें तो फिर हम एक-दूसरे से लड़ेंगे नहीं, बल्कि प्रेम के साथ, सहयोग के साथ काम कर सकेंगे। इसके लिए भी एक संस्कार की जरूरत होती है, शिक्षण की जरूरत होती है। आदत की जरूरत होती है। इस प्रकार का विचार सामने रखें हममें से प्रत्येक का ध्येय, जीवन का ध्येय, पढ़ाई-लिखाई सबका ध्येय यह हो कि राष्ट्र के लिए हम सब मिलकर काम करेंगे। इस एक विचार को लेकर हम चलें, इसके लिए ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, इसलिए हम लोग कार्य कर रहे हैं। ■

(समाप्त)

-शीत शिविर वर्ग, बौद्धिक वर्ग: फरवरी 4, 1968

जन विश्वास यात्रा, अगरतला (त्रिपुरा)

'माणिक' हमारे मुख्यमंत्री हैं और 'हीरा' हमारी योजना है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 12 जनवरी, 2023 को अपने अगरतला, त्रिपुरा में भाजपा के 8 दिवसीय राज्यव्यापी 'जन विश्वास यात्रा' के समापन अवसर पर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और जनता से प्रदेश में एक बार पुनः पूर्ण बहुमत से विकास के प्रति समर्पित भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार बनाने की अपील की। कार्यक्रम में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री राजीव भट्टाचार्य, उप-मुख्यमंत्री श्री जिष्णुदेव बर्मन, पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद श्री बिप्लब देब, केंद्रीय मंत्री श्रीमती प्रतिमा भौमिक, नॉर्थ-ईस्ट के भाजपा को-ऑर्डिनेटर डॉ. संबित पात्रा, त्रिपुरा के प्रभारी श्री महेश शर्मा एवं प्रदेश के चुनाव प्रभारी श्री महेंद्र सिंह सहित भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और त्रिपुरा सरकार में मंत्री व विधायक उपस्थित थे।

कांग्रेस और कम्युनिस्टों को आराम करने दीजिये और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को काम दीजिये

जनसभा को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 05 जनवरी को जन विश्वास यात्रा का शुभारम्भ किया था। इन 8 दिनों में जन-विश्वास यात्रा के दौरान लगभग 200 जन-सभाएं, 100 पदयात्रा और 50 रोड शो आयोजित किये गए। ये जन विश्वास यात्रा राज्य के 8 जिलों की लगभग सभी 60 विधानसभाओं से होकर गुजरी है। पूरे त्रिपुरा में इस जन विश्वास यात्रा को अप्रत्याशित समर्थन मिला है।

श्री नड्डा ने कहा कि त्रिपुरा में लगभग 4,700 किमी सड़क प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनी है। त्रिपुरा में छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति दोगुनी कर दी गई है। त्रिपुरा में पहले केवल कुछ ही उत्पादों पर एमएसपी दी जाती थी, लेकिन आज लगभग 90 उत्पादों पर आदिवासी वंधुओं को एमएसपी दी जा रही है। त्रिपुरा के ट्राइबल एरिया में लगभग 50,000 वन धन केंद्र खोले गए हैं। राज्य में लगभग 9 लाख आदिवासी वंधुओं को रोजगार दिया है।

उन्होंने कहा कि 'माणिक' हमारे मुख्यमंत्री हैं और हीरा (HIRA) हमारी योजना है। हीरा मतलब 'H' फॉर हाइवे, 'I' फॉर इंटरनेट, 'R' फॉर रेलवे और 'A' फॉर एयरवेज - 'माणिक' और 'हीरा' त्रिपुरा की कनेक्टिविटी और डेवलपमेंट का रास्ता है।

श्री नड्डा ने त्रिपुरा की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस और कम्युनिस्टों को आराम करने दीजिये और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को काम दीजिये। ■

विशाल जनसभा, कृष्णा नगर लोक सभा (पं. बंगाल)

'गरीबों का हक़ मारनेवाली तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी सरकार को उखाड़ फेंकें'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 19 जनवरी, 2023 को नादिया, पश्चिम बंगाल के बेथुआडहरी जूनियर ईस्ट बंगाल मैदान (कृष्णा नगर लोक सभा) में आयोजित भाजपा की विशाल जनसभा को संबोधित किया और पार्टी कार्यकर्ताओं से बंगाल की भ्रष्टाचारी, हिंसा की राजनीति करने वाली और गरीबों का हक़ मारने वाली तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। श्री नड्डा 18 जनवरी को कोलकाता एयरपोर्ट पर पहुंचे, जहां उनके स्वागत के लिए प्रदेश अध्यक्ष श्री सुकांत मजूमदार, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री सुवेंदु अधिकारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा, पश्चिम बंगाल के सह-प्रभारी श्री अमित मालवीय सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित थे।

नादिया में जनसभा को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि

आप कमल के निशान पर बटन दबाइए। हमारी सरकार चोरों को धरेगी (पकड़ेगी) भी और जेल में भी डालेगी

आज देश में राजनीति नई मोड़ ले रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति की जगह विकासवाद की राजनीति को प्रतिष्ठित किया है।

उन्होंने कहा कि जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत अभियान, जल जीवन मिशन, सौभाग्य योजना, पीएम आवास योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, स्वनिधि योजना, मुद्रा योजना जैसी योजनाओं से जन-जन के जीवन में उत्थान की गाथा लिखी जा रही है, लेकिन दुःख के साथ कहना पड़ता है कि पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय बनाने की योजना के पैसे में भी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। मनरेगा में भी भ्रष्टाचार हुआ है। बंगाल की हालत क्या बना रखी है दीदी आपने? तृणमूल सरकार बालू खा गई, कोयला खा गई। कुछ छोड़ा ही नहीं खाने से। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी यहां जन-जन के विकास के लिए पैसे भेजते हैं, दीदी की सरकार घोटाला कर उसका गबन करती है। जब भ्रष्टाचार के खिलाफ इन्क्वायरी होती है तो तृणमूल सरकार कहती है कि केंद्र सरकार हमारी दुश्मन है। तृणमूल कांग्रेस एक तो चोरी करती है और उस पर से सीनाजोरी भी। सुवेंदु अधिकारी जी कह रहे हैं चोर को धरो और जेल में भरो। मैं पश्चिम बंगाल की जनता का आह्वान करता हूं कि आप कमल के निशान पर बटन दबाइए। हमारी सरकार चोरों को धरेगी (पकड़ेगी) भी और जेल में भी डालेगी। ■

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आयोजित

भाजपा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति मोर्चा की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 6-8 जनवरी, 2023 को ललिता महल पैलेस, मैसूर (कर्नाटक) में आयोजित की गई। इस बैठक में कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई के साथ कई सांसद, विधायक, मंत्री, पार्टी के पदाधिकारी एवं मोर्चा के पूर्व अध्यक्षों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य ने 6 जनवरी को एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश अध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों और सह प्रभारियों की बैठक हुई। श्री लाल सिंह आर्य ने बैठक की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने 'बस्ती संपर्क अभियान' के लिए सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया, यह अभियान मैसूर के ग्रामीण और शहरी इलाकों की 30 बस्तियों में चलाया गया।

गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार ने अनुसूचित जाति के लिए वर्तमान आरक्षण को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 100 नए छात्रावासों का निर्माण किया जा रहा है। बोम्मई सरकार ने

प्रदेश के 7 जिलों में 12 ऐसे स्थानों को चिन्हित किया है, जहां पर भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने अपने जीवन काल में भ्रमण किया था, वहां राष्ट्रीय स्मारक का निर्माण करवाया जा रहा है, जिस के लिए प्रदेश सरकार ने 20 करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी दी है।

मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. भोला सिंह ने आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय मंत्री श्री एस. कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। ■

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक संपन्न

भारतीय जनता पार्टी, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक 20 एवं 21 जनवरी, 2023 को तुमकुरु (कर्नाटक) में सम्पन्न हुई। इस बैठक का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं महिला मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी श्री दुष्यंत गौतम, मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानति श्रीनिवासन, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत, राष्ट्रीय महामंत्री सुश्री इंदु गोस्वामी और महिला मोर्चा, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती गीता विवेकानंद द्वारा दीप प्रज्वलन एवं वन्देमातरम गायन से हुआ।

महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानति श्रीनिवासन ने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में आगामी 9 राज्यों में होनेवाले चुनाव के लिए तैयारियों पर चर्चा की। महिला मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी श्री दुष्यंत गौतम ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय के त्याग और बलिदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्ववाली सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे ने 'नए भारत में महिलाओं की भूमिका' के विषय पर कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

शिविर के द्वितीय दिवस के पहले सत्र का आरम्भ भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी.एल. संतोष, कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानति श्रीनिवासन की उपस्थिति में सुश्री बांसुरी स्वराज द्वारा जी20 में महिलाओं की भूमिका पर प्रस्तुतीकरण के साथ हुआ।

महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमती मेधा कुलकर्णी ने आदर्श आंगनबाड़ी कार्यक्रम एवं कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती पूजा विधानी ने 'स्नेह-यात्रा' और 'हर घर तिरंगा यात्रा' के बारे में बताया। राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी श्रीमती सुजाता पाधी ने सोशल मीडिया के द्वारा सरकार के कार्यों को कैसे जनता के बीच ले जाया जाय, इस बारे में बताया। महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमती पूजा कपिल मिश्रा ने जी-20 पर महिला मोर्चा द्वारा किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत ने मोर्चे के आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा रखी। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुश्री नीतू डबास ने राजनीतिक प्रस्ताव रखा, जिसे करतल ध्वनि से पारित किया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती उषा वाजपेयी ने जीईएम पोर्टल से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई ने अपने संबोधन में कहा कि मोदी सरकार के 'सबका साथ - सबका विकास' में महिलाएं भी शामिल हैं। सभी मां-बहनों के लिए तीन E बहुत जरूरी है, Education (शिक्षा), Employment (रोजगार), Empowerment (सशक्तीकरण)। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी.एल. संतोष ने प्रश्नोतरी के माध्यम से प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया एवं समापन भाषण में विभिन्न चुनौतियों के समाधान के बारे में बताया। ■

प्रधानमंत्री ने अग्निवीरों के पहले बैच को किया संबोधित

'सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने के साथ-साथ 'आत्मनिर्भर' बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीनों सेवाओं के उन अग्निवीरों के पहले बैच को संबोधित किया, जिन्होंने अपना बुनियादी प्रशिक्षण शुरू कर दिया है।

श्री मोदी ने इस पथ-प्रदर्शक अग्निपथ योजना के अग्रणी होने पर अग्निवीरों को बधाई दी। उन्होंने इस बारे में प्रकाश डाला कि यह परिवर्तनकारी नीति हमारे सशस्त्र बलों को मजबूत बनाने और उन्हें भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने में एक 'गेम चेंजर' साबित होगी। श्री मोदी ने इस बात की पुष्टि की कि युवा अग्निवीर सशस्त्र बलों को और अधिक युवा और तकनीक रूप से व्यावहारिक बनाएंगे।

अग्निवीरों की क्षमता की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी भावना सशस्त्र बलों की वीरता को दर्शाती है, जिसने सदैव राष्ट्र के झंडे को ऊंचा रखा है। उन्होंने कहा कि इस अवसर से उन्हें जो अनुभव प्राप्त होगा, वह जीवन भर उनके लिए गौरव का स्रोत सिद्ध होगा।

श्री मोदी ने कहा कि नया भारत एक नए जोश से भरा हुआ है और हमारे सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने के साथ-साथ 'आत्मनिर्भर' बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में युद्ध लड़ने के तौर-तरीकों में बदलाव हो रहा है। संपर्क रहित युद्ध के नए मोर्चों और साइबर युद्ध की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि तकनीकी रूप से सक्षम सैनिक हमारे सशस्त्र बलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से युवाओं की वर्तमान पीढ़ी में यह क्षमता है, इसलिए अग्निवीर आने वाले समय में हमारे सशस्त्र बलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि किस प्रकार महिला अग्निवीर नौसेना का गौरव बढ़ा रही हैं। श्री मोदी ने कहा कि वह तीनों सेनाओं में महिला अग्निवीरों को देखने के लिए बहुत उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने सियाचिन में तैनात की गई महिला सैनिकों और आधुनिक लड़ाकू विमानों को चलाने वाली महिला पायलटों का उदाहरण देते हुए उल्लेख किया कि किस प्रकार महिलाएं विभिन्न मोर्चों पर सशस्त्र बलों का नेतृत्व कर रही हैं।

श्री मोदी ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में तैनाती से उन्हें विविध अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और वे उन्हें विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों तथा जीवन जीने के तरीकों को भी सीखने का प्रयास करना चाहिए। युवाओं और अग्निवीरों की क्षमता की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने यह कहते हुए अपना संबोधन समाप्त किया कि आप ही हैं जो 21वीं सदी में राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान करने जा रहे हैं। ■

दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज 'एमवी गंगा विलास' का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वाराणसी में दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज 'एमवी गंगा विलास' को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 1000 करोड़ रुपये से अधिक की कई अन्य अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

श्री मोदी ने कहा कि काशी से डिब्रूगढ़ तक के सबसे लंबे रिवर क्रूज को आज झंडी दिखाई जा रही है, जो विश्व पर्यटन मानचित्र पर उत्तर भारत के पर्यटन स्थलों को सामने लाएगा।

रिवर क्रूज के अनुभव पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने बताया कि इसमें सभी के लिए कुछ न कुछ खास है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता में रुचि रखने वालों के लिए काशी, बोधगया, विक्रमशिला, पटना साहिब और माजुली जैसे गंतव्यों को कवर किया जाएगा, एक बहुराष्ट्रीय क्रूज अनुभव की तलाश करने वाले पर्यटकों को बांग्लादेश में ढाका से होकर जाने का अवसर मिलेगा और जो भारत की प्राकृतिक विविधता को देखना चाहते हैं, उनके लिए यह सुंदरबन और असम के जंगलों से होकर गुजरेगा। ■

थोक मुद्रास्फीति दिसंबर में घटकर 4.95 प्रतिशत पर, 22 महीने का निचला स्तर

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर, 2022 में घटकर 22 महीने के निचले स्तर 4.95 प्रतिशत पर आ गई। मुख्य रूप से सब्जियों और तिलहन सहित खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी के चलते यह गिरावट हुई। डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति नवंबर, 2022 में 5.85 प्रतिशत थी।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने 16 जनवरी को एक बयान में कहा कि दिसंबर, 2022 में मुद्रास्फीति की दर में कमी मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस, खाद्य उत्पादों, वस्त्रों और रसायनों तथा रासायनिक उत्पादों की कीमतों में गिरावट के चलते हुई। ■

चीनी सत्र 2021-22 में 5,000 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गन्ने की पैदावार हुई

वर्ष 2021-22 भारतीय चीनी क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक सत्र साबित हुआ। सत्र के दौरान गन्ना उत्पादन, चीनी उत्पादन, चीनी निर्यात, गन्ना खरीद, गन्ना बकाया भुगतान और इथेनॉल उत्पादन के सभी रिकॉर्ड टूट गए।

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा 19 जनवरी को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार चीनी सत्र के दौरान देश में 5,000 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) से ज्यादा गन्ने की रिकॉर्ड पैदावार हुई, जिसमें से लगभग 3,574 एलएमटी गन्ने की चीनी मिलों में पिराई हुई। इससे 394 लाख एमटी चीनी (सुक्रोज) का उत्पादन हुआ, जिसमें 36 लाख चीनी का इस्तेमाल इथेनॉल उत्पादन में किया गया और चीनी मिलों द्वारा 359 एलएमटी चीनी का उत्पादन किया गया।

चीनी सत्र (अक्टूबर-सितंबर) 2021-22 में भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक और उपभोक्ता के साथ-साथ ब्राजील के बाद दुनिया में चीनी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बनकर उभरा है। ■

बैलिस्टिक मिसाइल 'पृथ्वी-II' का सफल प्रशिक्षण लॉन्च

कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'पृथ्वी-II' का एक सफल प्रशिक्षण लॉन्च 10 जनवरी, 2023 को ओडिशा के तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया। पृथ्वी-II मिसाइल एक अति कुशल प्रणाली है, जो भारत के परमाणु प्रतिरोध का एक अभिन्न अंग रही है। मिसाइल ने पूरी सटीकता के साथ अपने लक्ष्य को भेदा। इस प्रशिक्षण लॉन्च के जरिये मिसाइल के सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों की सफलतापूर्वक पुष्टि हो गई। ■

रक्षा खरीद परिषद् ने 4,276 करोड़ रुपये मूल्य के तीन रक्षा पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 10 जनवरी को रक्षा खरीद परिषद् (डीएसी) की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान 4,276 करोड़ रुपये मूल्य के तीन पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकतानुसार स्वीकृति (एओएन) को मंजूरी दी गई। इन तीन रक्षा सौदों में भारतीय सेना के दो सौदे तथा भारतीय नौसेना के लिए एक खरीद (भारतीय-आईडीडीएम श्रेणी के अंतर्गत) प्रस्तावित हैं।

रक्षा खरीद परिषद् ने टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल— हेलीना, लॉन्चर और अन्य संबंधित सहायक उपकरणों की खरीद के लिए अपनी सहमति दे दी, इन सभी रक्षा उत्पादों को उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) में एकीकृत किया जाएगा। यह मिसाइल दुश्मन के खतरे का सख्ती से मुकाबला करने के लिए उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर के शस्त्रीकरण का एक अनिवार्य हिस्सा है। सैन्य शक्ति में इन रक्षा उत्पादों के शामिल होने से भारतीय सेना की आक्रामक क्षमता और अधिक सशक्त हो जाएगी। ■

नवंबर, 2022 में खनिज उत्पादन 9.7% बढ़ा

नवंबर, 2022 (आधारः 2011-12 = 100) के महीने में खनन एवं उत्खनन क्षेत्र के खनिज उत्पादन सूचकांक 105.8 पर रहा, जो नवंबर, 2021 के स्तर की तुलना में 9.7% अधिक है। भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-नवंबर, 2022-23 की अवधि के लिए संचयी वृद्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.7 प्रतिशत बढ़ी है।

केंद्रीय खान मंत्रालय द्वारा 17 जनवरी को जारी एक बयान के अनुसार नवबर, 2022 में महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन स्तर इस प्रकार रहाः कोयला 761 लाख टन, लिग्नाइट 32 लाख टन, प्राकृतिक गैस (उपयुक्त) 2779 मिलियन घन मीटर। एम., पेट्रोलियम (कच्चा) 24 लाख टन, बॉक्साइट 2228 हजार टन, क्रोमाइट 243 हजार टन, कॉपर सान्द्र 9.5 हजार टन, सोना 132 किग्रा, लौह अयस्क 231 लाख टन, सीसा सांद्र 30 हजार टन, मैंगनीज अयस्क 274 हजार टन, जिंक सांद्र 133 हजार टन, लाइमस्टोन 330 लाख टन, फास्फोराइट 205 हजार टन, मैग्नेसाइट 9 हजार टन और हीरा 28 कैरेट।

नवंबर, 2022 के दौरान नवंबर, 2021 की तुलना में सकारात्मक वृद्धि दिखाने वाले महत्वपूर्ण खनिजों में शामिल हैंः हीरा (87%), फॉस्फोराइट (68%), बॉक्साइट (30%) लौह अयस्क (19%), कोयला (12%), चूना पत्थर (8.6%) और मैंगनीज अयस्क (18.5%)। ■

लेख

जी-20 से स्थापित होगा भारतीय वैशिष्ट्य

शिवप्रकाश
राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन)
भाजपा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश जी-20 के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। जी-20 के माध्यम से होने वाले कार्यक्रम कुछ निश्चित प्रतिनिधियों के कूटनीतिक कार्यक्रम न होकर इसने भारत में समाज की सहभागिता से उत्सवों का रूप ले लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कार्यशैली की यह विशेषता है कि वह सरकारी योजनाओं को समाज के साथ जोड़कर संपूर्ण समाज का कार्यक्रम बनाते हैं। उनके द्वारा घोषित लक्ष्य 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' (one earth, one family, one future) विश्व को जोड़ने का माध्यम बना है। यह भारतीय संस्कृति की वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा का साकार रूप है। भारत जी-20 के माध्यम से विविधता युक्त भारत का लोकतान्त्रिक पद्धति से विकास के मॉडल (Development, Diversity, Democracy) को विश्व के सम्मुख रखना चाहता है।

इस वर्ष इंदौर में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर प्रवासी भारतीयों के मध्य बोलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हम सभी को गर्व है कि भारत लोकतंत्र की जननी (Mother of Democracy) है। अभी तक हम भारत के लोकतंत्र की प्रशंसा करते हुए कहते थे कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश हैं। जहां दुनिया के लोकतंत्र संकट आए, हमारे पड़ोसी पाकिस्तान में भी लोकतंत्र सेना के बूटों तले रौंदा गया, वही हम सफल लोकतंत्र सिद्ध हुए। प्रधानमंत्री मोदीजी ने भारत को केवल बड़े लोकतंत्र न कहकर लोकतंत्र की जननी के रूप में संबोधित किया है, क्योंकि इस देश में वेद काल से लोकतंत्र की परंपरा रही है।

गुलामी के कालखंड में हमारे 'स्व' को भुलाने का योजनाबद्ध प्रयास हुआ। हमको पढ़ाया एवं सिखाया गया कि भारत का अपना कुछ नहीं था, हमको सभी कुछ अंग्रेजों ने ही दिया है। गणित, ज्ञान-विज्ञान, कला, साहित्य, विकास अवधारणा आदि सभी अंग्रेजों से ही हमें विरासत में मिली है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि भारत मे अपने पास कोई शासन प्रणाली भी नहीं थी।

लोकतान्त्रिक व्यवस्था भी हमको अंग्रेजों की ही देन है। सुनियोजित मैकाले शिक्षा पद्धति से अध्ययन करने के बाद निकला भारत का भी एक बड़ा वर्ग इसी को सत्य मानने लगा।

हमको पढ़ाया गया कि विश्व का प्रथम लोकतंत्र एथेंस गणराज्य है। एथेंस राज्य तानाशाही से मुक्त होकर प्रथम गणराज्य बना जिसका इतिहास 2000 वर्ष पुराना है। एथेंस गणराज्य से हजारों वर्ष पूर्व भारत मे वेद काल से ही लोकतंत्र की भावना का विकास हुआ था। ऋग्वेद में गणतंत्र शब्द का प्रयोग 40 बार एवं अथर्ववेद में 9 बार प्रयोग हुआ है। राजा के द्वारा अपने सहयोगियों से परामर्श कर शासन चलाने के उदाहरण ऋग्वेद में विद्यमान हैं। राजा एवं उसके सहयोगियों से बनने वाले समूह को 'समिति' नाम से संबोधित किया गया। समिति की बैठकों में राजा की उपस्थिति अनिवार्य थी जैसे कि 'राजा न सत्याः समितिरियानः' (जो राजा समिति की बैठक में नहीं आता वह सच्चा राजा नहीं है)

वेदों मे तीन प्रकार की सभाओं का वर्णन है। जिसमें 1. विद्यार्य सभा (शिक्षा संबंधी) 2. धर्मार्य सभा (न्याय संबंधी) 3. राजार्य सभा (शासन प्रशासन से संबंधित) के माध्यम से शासन संचालन के प्रमाण मिलते हैं। समिति के समान ही सभा भी शासन संचालन का माध्यम थी। इसके अनेक प्रमाण साहित्य में उपलब्ध हैं। सभा की विशेषता का वर्णन करते हुए कहा है कि वह सभा सभा नहीं, जिसमें अच्छे लोग नहीं। अच्छे लोग वह है जो राग द्वेष छोड़कर न्याय की बात करते है। "न सा सभा यत्थम न सन्ति संतो।"

महाभारत के शांति पर्व मे जन सदन का उल्लेख है। शांति पर्व में भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को गणराज्य का महत्व समझाते हुए कहा, "जनता के साथ सीधे जुड़ाव का माध्यम गणतंत्र है।" बौद्ध काल में शाक्य, कोलिओ, लिच्छवि, वज्जी, पिप्पलवन, अलल्पवन सभी प्रजातांत्रिक गणराज्य के उदाहरण हैं। संविधान सभा में बोलते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 2000 पूर्व उत्तर से दक्षिण गए हुए वणिको (व्यापारियों) के साथ राजा के संवाद का उल्लेख किया है। जब राजा पूछता है कि आप का राजा कौन है? तब व्यापारी ने उत्तर दिया कि हममें से कुछ पर परिषद् शासन करती है, कुछ पर राजा। पतंजलि, कौटिल्य आदि सभी भारतीय विद्वानों के साहित्यों मे प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था का वर्णन मिलता है। विदेशी विद्वान मेगस्थनीज, ह्वेनसांग आदि ने भारत की गणतांत्रिक व्यवस्था के संबंध में लिखा है।

भारत में लोकतंत्र की सफलता का रहस्य यह है कि भारत के सामान्य समाज में स्वभावतः ही लोकतंत्र का भाव कूट-कूट कर भरा है। दुनिया के अनेक देशों में वहां के राजा की तानाशाही प्रवृत्ति की प्रतिक्रिया के कारण लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित हुई। वहीं भारत में सकारात्मक भाव से लोकतंत्र जन्मा है। भारतीय संस्कृति में मानव मन का जितना गहन अध्ययन हुआ है उतना अन्य नहीं दिखता। भारत की समृद्ध परंपरा से उद्भूत अध्यात्म इसका कारण है। ऋग्वेद का मंत्र : संगच्छध्वं संवदध्वं। सं वो मनांसि जानताम्। समानो मन्त्रः समितिः समानी। अर्थात् : हम एक दिशा में चलें, एक समान बोलें, सभी के मनोभाव को जानें, हमारी समिति समान हो, सभी का मंत्र (लक्ष्य) एक हो।

भारत में यह लोकतंत्र का सकारात्मक भाव प्राचीन काल से उत्पन्न हुआ। जो भारतीय जन-मन के संस्कारों में स्थित है। भारतीय संविधान निर्माताओं ने संविधान निर्माण करते समय सभी को समान मताधिकार देकर इसी भाव को पुष्ट किया था। प्रधानमंत्री भारत को लोकतंत्र की जननी कहकर इसी ऐतिहासिक सत्य को विश्व के सम्मुख उद्घाटित कर रहे हैं। जी-20 इसी प्रकार के भारतीय वैशिष्ट्य को स्थापित करने का माध्यम बनेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'पंच प्रण' को साकार कर भारत को मानसिक गुलामी से भी मुक्ति प्रदान करेगी। ■

मोदी स्टोरी

नरेन्द्र मोदी की अभिनव सोच और इसकी सफलता की कहानी

नरेश भाटिया

अभिनव विचार और लीक से हटकर सोच श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन की पहचान रही है। प्रचारक के दिनों से लेकर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जहां ये विशेषताएं स्पष्ट रूप से सामने आईं है। ऐसी ही एक घटना 1979 में आपातकाल के ठीक बाद की है, जब श्री नरेन्द्र मोदी ने राजकोट में रा.स्व.संघ के बारे में जनता की धारणा जानने के लिए 'सर्वेक्षण' की शुरुआत की थी।

श्री नरेश भाटिया, रा.स्व.संघ के स्वयंसेवक याद करते हैं कि श्री नरेन्द्र मोदी बौद्धिक विभाग के प्रमुख थे। एक दिन उन्होंने कार्यकर्ताओं से एक ऐसा काम करने को कहा, जो सबके लिए नया था। उन्होंने हमें समाज में संघ की धारणा जानने के लिए एक सर्वेक्षण करने का सुझाव दिया। पहले इस तरह की योजना के लिए कोई भी अभ्यस्त नहीं था, इसलिए इस विचार के प्रति हिचकिचाहट वाली प्रतिक्रिया थी। लेकिन उन्होंने हमें ऐसा करने के लिए कहा।

श्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वेक्षण के लिए एक प्रारूप तैयार किया और उत्तरदाताओं से पूछे जाने वाले प्रश्नों के बारे में हमें प्रशिक्षित किया। उन्होंने हमें बताया कि सभी कार्यकर्ताओं को पास के घरों में जाकर उत्तरदाताओं से ये प्रश्न पूछने होंगे।

इस दौरान उन्होंने आगाह भी किया कि लोग आपका अपमान कर सकते हैं, लेकिन आपको पलट कर उत्तर देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि लोग आपका स्वागत कर सकते हैं, तो बहुत खुश भी नहीं होना है।

इसलिए सभी कार्यकर्ता आस-पास के घरों का सर्वे करने चले गए। वे कुछ घंटों के बाद वापस आए और अपने अनुभव साझा किए। उन सभी का उत्तरदाताओं के साथ अच्छा अनुभव था। श्री भाटिया कहते हैं, कुछ लोगों को उत्तरदाताओं के घरों में चाय और नाश्ता भी दिया गया।

इसके अलावा श्री नरेन्द्र मोदी ने डेटा एकत्र किया, बार डायग्राम का उपयोग करके एक चार्ट बनाया और प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया। सर्वेक्षण का विश्लेषण करना और उस प्रारूप में परिणाम प्रस्तुत करना सभी के लिए नया था। सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप आम जनता में रा.स्व.संघ की धारणा के लिए सकारात्मक प्रतिसाद मिला।

श्री भाटिया आगे कहते हैं कि सर्वे नया था, लेकिन यह सभी कार्यकर्ताओं के लिए एक प्रशिक्षण भी था। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

प्रवीण शास्त्री

बूथ समिति सदस्य, बिजनौर, लखनऊ (उ.प्र.)

बिजनौर, उत्तर प्रदेश निवासी श्री प्रवीण शास्त्री एक सक्रिय कार्यकर्ता थे और उन्होंने आपातकाल के दौरान अपनी बहुमूल्य सेवाएं दीं। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और उनके साथ बुरा बर्ताव किया गया, लेकिन वे निडर रहे और उन्होंने कभी भी पुलिस को कोई सूचना नहीं दी। उन्हें साढ़े तीन महीने की जेल हुई थी।

> आपातकाल के दौरान प्रवीण शास्त्री लगभग 15 वर्ष के थे और उन्होंने विषम परिस्थितियों का सामना किया। वह धैर्यवान व्यक्ति थे

आपातकाल के दौरान वह लगभग 15 वर्ष के थे और उन्होंने विषम परिस्थितियों का सामना किया। वह धैर्यवान व्यक्ति थे। उन्होंने बूथ समिति सदस्य का दायित्व संभाला। ■

प्रवीण शास्त्री

जन्म	: 01 फरवरी, 1960
सक्रिय वर्ष	: 1974-1993
स्थान	: उत्तर प्रदेश
जिला	: बिजनौर, लखनऊ

रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य के भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मिली मंजूरी

कुल डिजिटल भुगतान लेनदेन में 59 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 5,554 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 8,840 करोड़ हो गया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11 जनवरी को अप्रैल, 2022 से एक वर्ष की अवधि के लिए रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन (व्यक्ति से व्यापारी) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी। रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन (पी2एम) को बढ़ावा देने के लिए स्वीकृत प्रोत्साहन योजना का वित्तीय परिव्यय 2,600 करोड़ रुपये है। उक्त योजना के तहत चालू वित्त वर्ष 2022-23 के लिए रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य के भीम-यूपीआई लेनदेन (पी2एम) का उपयोग करके पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) और ई-कॉमर्स लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए अधिगृहीत किए जाने बैंकों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2022-23 के बजट के दौरान अपने भाषण में पिछले बजट में घोषित डिजिटल भुगतानों के लिए वित्तीय सहायता जारी रखने की सरकार की मंशा की घोषणा की, जो कि किफायती और उपयोगकर्ता के अनुकूल भुगतान प्लेटफार्मों के उपयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह योजना उपरोक्त बजट घोषणा के अनुपालन में तैयार की गई है।

वित्त वर्ष 2021-22 में सरकार ने डिजिटल लेनदेन को और बढ़ावा देने के लिए वित्त वर्ष 2021-22 की बजट घोषणा के अनुपालन में एक प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी थी। परिणामस्वरूप, कुल डिजिटल भुगतान लेनदेन में 59 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 5,554 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 8,840 करोड़ हो गया है। भीम-यूपीआई लेनदेन ने 106 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 2,233 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 4,597 करोड़ हो गया है।

भारत सरकार देश भर में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए अनेक पहल कर रही है। पिछले वर्षों में डिजिटल भुगतान लेनदेन में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। कोविड-19 संकट के दौरान डिजिटल भुगतान ने छोटे व्यापारियों सहित व्यवसायों के कामकाज को सुगम बनाया और सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने में मदद की। यूपीआई ने दिसंबर, 2022 के महीने में 12.82 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के साथ 782.9 करोड़ डिजिटल भुगतान लेनदेन का रिकॉर्ड बनाया। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्रीय स्तर की बहु-राज्य सहकारी जैविक सोसायटी की स्थापना को दी स्वीकृति

गत 11 जनवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विशेष रूप से वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (एम/डोनर) की नीतियों, योजनाओं और एजेंसियों के माध्यम से 'संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण' के समर्थन के साथ बहु-राज्य सहकारी समिति (एमएससीएस) अधिनियम, 2002 के तहत जैविक उत्पादों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समिति को स्थापित करने और बढ़ावा देने के एक ऐतिहासिक निर्णय को स्वीकृति दे दी।

प्रधानमंत्री ने कहा है कि सहकारी समितियों की क्षमता का लाभ उठाने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए और उन्हें 'सहकार-से-समृद्धि' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सफल और प्रेरक व्यावसायिक उद्यमों में बदलना चाहिए। इस प्रकार सहकारी समितियों के लिए वैश्विक स्तर पर विचार करना और इसका तुलनात्मक लाभ उठाने के लिए स्थानीय रूप से कार्य करना अनिवार्य है। ■

त्रिपुरा में 16 फरवरी, नागालैंड और मेघालय में 27 फरवरी को विधानसभा चुनाव

चुनाव आयोग ने त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय में विधानसभा चुनावों की तिथियां घोषित कर दी हैं। त्रिपुरा में 16 फरवरी को चुनाव होंगे। नागालैंड और मेघालय में एक साथ 27 फरवरी को चुनाव होंगे। वहीं 2 मार्च को परिणाम आएंगे। तीनों राज्यों में एक साथ 2 मार्च को नतीजे आएंगे।

मेघालय, त्रिपुरा और नागालैंड में विधानसभा की 60-60 सीटें हैं। नागालैंड विधानसभा का कार्यकाल 12 मार्च को समाप्त होगा। मेघालय विधानसभा का कार्यकाल 15 मार्च और त्रिपुरा विधानसभा का कार्यकाल 22 मार्च को समाप्त हो रहा है।

इन तीनों राज्यों में संयुक्त रूप से 62.80 लाख से अधिक मतदाता हैं, जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 31.47 लाख और विकलांग मतदाताओं की संख्या 31,700 शामिल हैं। इस बार पहली बार 3 राज्यों में चुनाव में 1.76 लाख से अधिक मतदाता होंगे। विधानसभा चुनाव में 9 हजार से ज्यादा पोलिंग स्टेशन होंगे। इन तीनों राज्यों में 2.28 लाख से अधिक नए वोटर जुड़े हैं। ■

आपकी आवाज भारत की आवाज है: नरेन्द्र मोदी

'सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने के साथ-साथ 'आत्मनिर्भर' बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 जनवरी को 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन 2023' के उद्घाटन सत्र में अपना उद्घाटन वक्तव्य दिया। 12-13 जनवरी के बीच हुए इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के दौरान 120 से अधिक विकासशील देशों ने भागीदारी की और यह 'ग्लोबल साउथ' का अब तक का सबसे बड़ा वर्चुअल सम्मेलन था। इस सम्मेलन में एशिया, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका, कैरिबियन व ओशिनिया के विकासशील देशों ने भाग लिया।

वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन का उद्देश्य 'विचारों की एकता, उद्देश्य की एकता' को प्राप्त करना था और यह जी20 देशों एवं वैश्विक दक्षिण के सदस्यों के साथ परामर्श के माध्यम से एक सकारात्मक जी20 एजेंडा को आकार देने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के सर्वथा अनुरूप है।

वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन 2023

अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हम 'ग्लोबल साउथ' का भविष्य का सबसे बड़ा दांव हैं। हमारे देशों में मानवता का तीन चौथाई भाग रहता है। हमारी भी समतुल्य आवाज़ होनी चाहिए। इसलिए, जैसे-जैसे वैश्विक शासन का आठ दशक पुराना मॉडल धीरे-धीरे बदलता है, हमें उभरती हुई व्यवस्था को आकार देने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अधिकांश वैश्विक चुनौतियां ग्लोबल साउथ द्वारा सृजित नहीं की गई हैं, लेकिन वे हमें प्रभावित अधिक करती हैं। हमने इसे कोविड महामारी, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और यहां तक कि यूक्रेन संघर्ष के प्रभावों में देखा है। समाधान की खोज में भी हमारी भूमिका या हमारी आवाज़ का कोई महत्व नहीं है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत इस वर्ष अपनी G20 अध्यक्षता शुरू कर रहा है, यह स्वाभाविक है कि हमारा उद्देश्य ग्लोबल साउथ की आवाज को बढ़ाना है। G20 की अपनी अध्यक्षता के लिए हमने 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' विषय को चुना है। हमारा मानना है कि 'एकता' को महसूस करने का मार्ग मानव-केंद्रित विकास के माध्यम से है। ग्लोबल साउथ के लोगों को अब विकास के परिणाम से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए। हमें मिलकर वैश्विक राजनीतिक और वित्तीय शासन को नया स्वरूप देने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दुनिया को फिर से ऊर्जावान बनाने के लिए हमें मिलकर 'प्रतिक्रिया, पहचान, सम्मान और सुधार' के वैश्विक एजेंडे का आह्वान करना चाहिए:

- एक समावेशी और संतुलित अंतरराष्ट्रीय एजेंडा तैयार करके ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर प्रतिक्रिया दें।
- यह स्वीकार करें कि 'साझा लेकिन विभेदित उत्तरदायित्व' का सिद्धांत सभी वैश्विक चुनौतियों पर लागू होता है।
- सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान, कानून का शासन और मतभेदों और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान; और
- संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में सुधार करना, ताकि उन्हें अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके।

श्री मोदी ने कहा कि विकासशील दुनिया के सामने की चुनौतियों के बावजूद मैं आशावादी हूं कि हमारा समय आ रहा है। समय की मांग सरल, मापनीय और टिकाऊ समाधानों की पहचान करना है जो हमारे समाजों और अर्थव्यवस्थाओं को बदल सकते हैं। इस तरह के दृष्टिकोण के साथ हम कठिन चुनौतियों से पार पा लेंगे— चाहे वह गरीबी हो, सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा हो या मानव क्षमता निर्माण हो।

उन्होंने कहा कि पिछली शताब्दी में हमने विदेशी शासन के विरुद्ध अपनी लड़ाई में एक-दूसरे का समर्थन किया। हम इस सदी में फिर से ऐसा कर सकते हैं, एक नई विश्व व्यवस्था बनाने के लिए जो हमारे नागरिकों के कल्याण को सुनिश्चित करेगी।

आपकी प्राथमिकताएं भारत की प्राथमिकताएं हैं

श्री मोदी ने कहा कि जहां तक भारत का संबंध है, आपकी आवाज भारत की आवाज है। आपकी प्राथमिकताएं भारत की प्राथमिकताएं हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में हमारी एक प्रार्थना है— आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः, इसका अर्थ है, ब्रह्मांड की सभी दिशाओं से हमें अच्छे विचार प्राप्त हों। यह वॉयस ऑफ़ ग्लोबल साउथ समिट हमारे सामूहिक भविष्य के लिए अच्छे विचार हासिल करने का एक सामूहिक प्रयास है। ■

रोजगार मेले के तहत 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित

असम सरकार ने कुछ ही दिन पहले रोजगार मेले का आयोजन किया था और बहुत जल्द मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तराखंड जैसे राज्य रोजगार मेले आयोजित करने जा रहे हैं

गत 20 जनवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए लगभग 71,000 नव-नियुक्तों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। यह रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। यह उम्मीद है कि रोजगार मेला रोजगार सृजन को आगे बढ़ाने के बारे में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर उपलब्ध कराएगा।

उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह वर्ष 2023 का पहला रोज़गार मेला है जो 71,000 परिवारों के लिए सरकारी रोज़गार का कीमती उपहार लेकर आया है। श्री मोदी ने नव-नियुक्त किए गए उम्मीदवारों को बधाई दी और कहा कि रोजगार के ये अवसर न केवल नियुक्त किए गए लोगों में, बल्कि करोड़ों परिवारों में आशा की नई किरण जगाएंगे।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में लाखों नए परिवारों को सरकारी नौकरियों में नियुक्त किया जाएगा, क्योंकि एनडीए शासित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में रोजगार मेले नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। श्री मोदी ने बताया कि असम सरकार ने कल ही रोजगार मेले का आयोजन किया था और बहुत जल्द मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तराखंड जैसे राज्य रोजगार मेले आयोजित करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियमित रोजगार मेले इस सरकार की निशानी बन गए हैं। वे दिखाते हैं कि इस सरकार ने जो भी संकल्प लिया है, वह साकार हुआ है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

नई दिल्ली में 16 जनवरी, 2023 को भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक से पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भव्य रोड शो का दृश्य

हुबली (कर्नाटक) में 12 जनवरी, 2023 को '26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव' का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वाराणसी में 13 जनवरी, 2023 को दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज – एमवी गंगा विलास को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली से 13 जनवरी, 2023 को 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' के समापन सत्र को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

मुंबई (महाराष्ट्र) में 19 जनवरी, 2023 को विकास परियोजनाओं की शुरुआत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

'एक साधारण कार्यकर्ता का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना भाजपा में ही संभव है'

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का कार्यकाल जून, 2024 तक बढ़ा दिया है। इसके बाद श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को एक हृदयस्पर्शी संदेश लिखा और कहा कि "मेरे जैसा साधारण कार्यकर्ता का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना भाजपा में ही संभव है।" उन्होंने 2024 के आम चुनाव से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मिले दायित्व को स्वीकार करते हुए कार्यकर्ताओं से 'अटूट प्रतिबद्धता और आशीर्वाद' मांगा। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को यह अवसर प्रदान करने और 'निरंतर प्रेरणा का स्रोत' बनने के लिए धन्यवाद दिया।

17 जनवरी, 2023
नई दिल्ली

सम्मानित कार्यकर्तागण,
नमस्कार,

आज नई दिल्ली में चल रही राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में सर्वानुमत प्रस्ताव के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरे कार्यकाल को जून, 2024 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस सम्मान और विश्वास के लिए मैं बड़ी ही विनम्रता, गर्व और प्रसन्नता के साथ आप सभी को धन्यवाद देता हूं।

यह भारतीय जनता पार्टी में ही संभव है कि हिमाचल प्रदेश जैसे छोटे से राज्य से आने वाला, मेरे जैसा सामान्य कार्यकर्ता, जिसने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र राजनीति से की थी, वह अलग-अलग पदों पर काम करते हुए, विभिन्न जिम्मेदारियों को निभाते हुए विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद तक पहुंचा। यह मेरे लिए बहुत ही सम्मान का विषय है और मैं पूरी विनम्रता के साथ एक ऐसे अभियान का दायित्व स्वयं को सौंपे जाने पर अनुग्रहित हूं जिसका नेतृत्व पूर्व में कई निष्ठावान दिग्गजों द्वारा किया गया है। मैं स्वयं से की गई अपेक्षाओं को लेकर पूर्ण रूप से सचेत हूं।

जिस विश्वास के साथ मेरे जैसे सामान्य कार्यकर्ता को आगामी लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारी के वर्ष में इतनी बड़ी व महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है, उसके लिए मुझे आप सभी के प्रेम, आशीर्वाद और अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

आज भारत 'अमृत काल' के रूप में एक ऐतिहासिक युग के मुहाने पर खड़ा है। आज 'नए भारत' की नींव रखने का कार्य हो रहा है। हमारा तप, हमारी दृढ़ता और हमारा परिश्रम भारत को और अधिक सशक्त और अविचल बनाते हुए 'विश्व गुरु' के रूप में उभारेगा। अमृत काल में हम अपने दृढ़ और निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अपनी परिकल्पना को सिद्ध करेंगे। आइए, अपनी पूरी ऊर्जा और सामर्थ्य को प्रवाहित करते हुए भारत के स्वर्णिम काल के साक्षी बनें।

इस अवसर पर मैं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद देना चाहता हूं, जो हम सबके लिए सदैव प्रेरणा के स्रोत रहते हैं। मैं भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों का भी विशेष रूप से आभारी हूं जिन्होंने एक बार पुन: मुझ पर विश्वास जताते हुए मुझे भारतीय जनता पार्टी की सेवा का अवसर दिया।

सभी को नमन,
जगत प्रकाश नड्डा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी

छायाकार: अजय कुमार सिंह